पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰ महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

विवरणिका 2022–23

विषय-सूची

1. प्राचार्य की कलम से 1

2. महाविद्यालय के विषय में 3

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम 7

4. प्रवेश प्रक्रिया

   (1) सामान्य सूचनाएँ 11

   (2) सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सी०एस०ए०एस०-2022)....................12

   (3) महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन अनुमोदन 12

   (4) पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से प्रवेश....................13

   (5) प्रवेश संबंधी अनिवार्य दस्तावेज....................14

6. प्रवेश समिति (2022-23)....................16

7. शुल्क संरचना....................19

8. विभागीय विवरण....................21

9. शैक्षणिक और अन्य सहसंरचनाएँ....................28

10. महाविद्यालयी गतिविधियाँ 34

11. सामान्य निर्देश....................47

12. प्रशासनिक और सहायक स्टाफ....................49

13. रूट मैप (पी०जी०डी०ए०वी० महाविद्यालय) 51

प्राचार्य की कलम से...

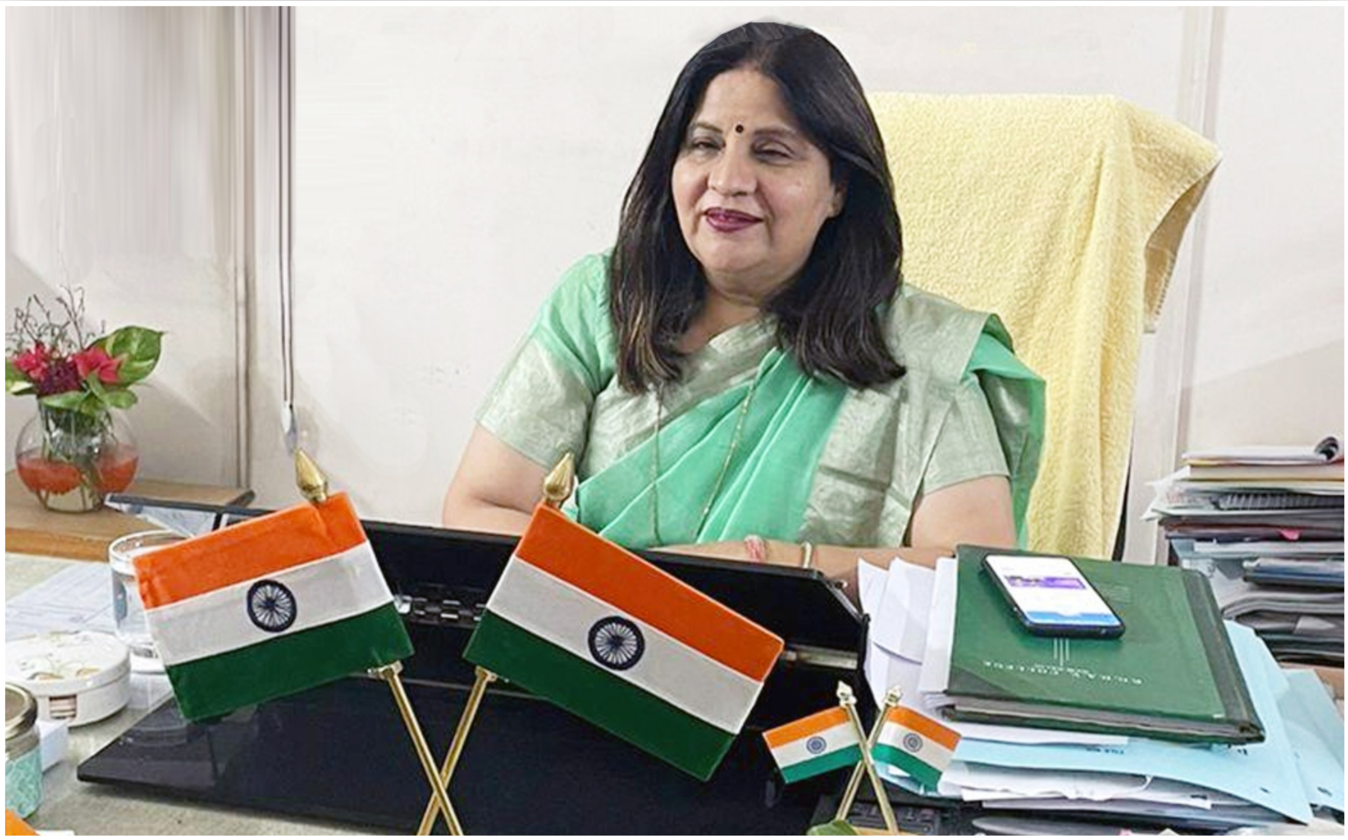

उभरते राष्ट्र में उच्च शिक्षा की चुनौतियों का समाधान करने के लिए 1957 ई॰ में पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰ महाविद्यालय की स्थापना की गई। दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे महत्त्वपूर्ण महाविद्यालयों में से एक पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰ महाविद्यालय, 19वीं शताब्दी के अग्रणी सामाजिक सुधार आंदोलन (दयानंद एंग्लो वैदिक आंदोलन) की समृद्ध विरासत का एक अभिन्न अंग है। महान संत और आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती का भारतीय परिवेश में आधुनिक वैश्विक शिक्षा का दृष्टिकोण पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰ में हमारे मिशन के लिए प्रेरणा है। महर्षि दयानंद ने 'सत्यार्थ प्रकाश' में प्रतिपादित किया है कि शिक्षा वह साधन है जो ज्ञान, संस्कृति, धार्मिकता, आत्म-संयम और इसी तरह के अन्य गुणों को प्राप्त करने में मदद करती है; अज्ञानता और बुरी आदतों को भी दूर करती है। आर्य समाज के मूल में वैज्ञानिक स्वभाव, तर्कसंगतता, सार्वभौमिक शिक्षा और महिला शिक्षा प्रमुख है। पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰ महाविद्यालय शिक्षा और संस्कार का श्रेष्ठ रूप उपलब्ध कराता है और इसके अंतर्गत महाविद्यालय राष्ट्र निर्माण और समाज कल्याण के लिए भारतीय मूल्यों से अंतर्निहित आधुनिक शिक्षा प्रदान करता है।

महाविद्यालय को अपने उच्च, योग्य और अनुकूल शिक्षण और सहायक स्टाफ पर गर्व है। महाविद्यालय कुल बारह अनुशासनों में, तेरह स्नातक और चार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की शिक्षा प्रदान करता है। स्नातक स्तर पर ऑनर्स और प्रोग्राम दोनों प्रकार के पाठ्यक्रम की शिक्षा की व्यवस्था महाविद्यालय परिसर में कारवाई जाती है।

महामारी के बाद से समावेशी शिक्षा और बेहतर समाज के प्रति हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है। इसके पश्चात हम ऑनलाइन और ऑफलाइन शैक्षणिक संसाधनों का उपयोग करके छात्रों के साथ और अधिक रचनात्मक रूप से संलग्न हुए।

प्राचार्य की कलम से...

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, इन सुविधाओं में समृद्ध पुस्तकालय और विश्व स्तरीय खेल प्रशिक्षण की सुविधाएँ भी शामिल हैं। महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए स्मार्ट क्लासरूम, सभागार, सम्मेलन हॉल, सुसज्जित प्रयोगशालाएं और अंतर्राष्ट्रीय मानक की खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

पी०जी०डी०ए०वी० महाविद्यालय में शैक्षिक प्रशिक्षण के साथ सह-पाठ्यचर्या और सांस्कृतिक गतिविधियाँ अधिगम के अभिन्न अंग हैं। खेल, ललित कला, संगीत, नृत्य, रंगमंच और अन्य अनुशासनों में छात्रों के प्रतिभा और कौशल संवर्द्धन के लिए महाविद्यालय में सक्षम वातावरण, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध है। पी०जी०डी०ए०वी० महाविद्यालय के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सम्मान मिलता है। यह गौरव का विषय है कि पी०जी०डी०ए०वी० महाविद्यालय अनेक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और वैश्विक ख्याति प्राप्त कलाकारों की मातृ संस्था है।

महाविद्यालय विद्यार्थियों की समावेशी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। उनकी सहायता के लिए संवेदनशील कर्मचारी सदैव उपलब्ध रहते हैं। महाविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बनाने के लिए एक संपन्न व सक्षम प्रकोष्ठ निरंतत कार्यरत है। यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों की हर संभव मदद करता है।

महाविद्यालय में जरुरतमंद विद्यार्थियों की मदद करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए कई छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं। हाल ही में, कोविड-19 महामारी से प्रभावित छात्रों की आर्थिक सहायता हेतु एक छात्र कोष बनाया गया है और इससे अनेक छात्रों को आर्थिक मदद दी गई। यह गर्व का विषय है कि महाविद्यालय छात्रों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाता है, हरियाली बढ़ाने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करता है। महाविद्यालय में वैज्ञानिक शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षा के माध्यम से 'वैश्विक कल्याण' व 'राष्ट्र निर्माण' के प्रति जागरूक छात्र-छात्राओं का निर्माण किया जाता है। महाविद्यालय, परिवार में नए सदस्यों का हार्दिक स्वागत करता है।

असतो मा सद्गमय! असत्य से सत्य की ओर*!* *(बृहदारण्यकोपनिषद्)*

प्रो० कृष्णा शर्मा
प्रधानाचार्या

महाविद्यालय के विषय में

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा मानकीकृत पन्नालाल गिरधरलाल दयानन्द एंग्लो वैदिक महाविद्यालय की स्थापना दयानन्द एंग्लो वैदिक महाविद्यालय प्रबंध समिति द्वारा 1957 ई० में की गई। यह दिल्ली विश्वविद्यालय एवं डी.ए.वी. शिक्षा न्यास की गौरवशाली परम्पराओं की आधारभूमि एवं मूल्यों पर आधारित उत्कृष्ट शिक्षण प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि डी०ए०वी० शिक्षा न्यास विश्व का सबसे बड़ा गैर सरकारी शिक्षाप्रदायी घटक है। इसके अंतर्गत भारत और समूचे विश्व में 900 से अधिक विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय हैं।

स्थिति

पी०जी०डी०ए०वी० महाविद्यालय दिल्ली के सुप्रसिद्ध स्थान लाजपत नगर के समीप नेहरू नगर, रिंग रोड पर स्थित है। महाविद्यालय बस एवं मेट्रो के सुविधागम्य मार्ग पर स्थित है। महाविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार के दायीं तरफ विनोबापुरी मेट्रो स्टेशन (पिंक लाइन) स्थित है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में कला, वाणिज्य, कम्प्यूटर साइंस एवं गणित विज्ञान में स्नातक स्तर के 13 पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। यह 12 विभागों के अंतर्गत आते हैं। महाविद्यालय में हिंदी, वाणिज्य, गणित एवं राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

प्रतिष्ठित संकाय

महाविद्यालय योग्य, कुशल, अनुभवी और विषय मर्मज्ञ प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित है। महाविद्यालय के प्राध्यापक विश्वविद्यालय में पाठ्यचर्या विकास और स्नातकोत्तर शिक्षण से सम्बद्ध हैं। निरंतर विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर, एम.फिल और पीएचडी स्तर पर मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं।

महाविद्यालय के विषय में

विद्यार्थी गतिविधियाँ

पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰ महाविद्यालय अनुशासित और संगठित शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करता है। साथ ही यह अतिरिक्त और सह-पाठ्यचर्या समितियों और अकादमिक संघों के माध्यम से विद्यार्थियों को सीखने का एकात्मक अनुभव प्रदान करता है। अन्तःमहाविद्यालय और अन्तर-महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न विभागीय समितियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियों की कौशल प्रक्रिया को समृद्ध करते हैं और प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ भावना से उनकी मेधा को विस्तार देते हैं। महाविद्यालय की सांस्कृतिक सोसाइटी 'हाइपरियन' विगत वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में इस सोसाइटी से जुड़े विद्यार्थियों ने विभिन्न संस्थाओं से 130 से अधिक पुरस्कार जीते।

महाविद्यालय सहभागिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.) के विद्यार्थी सैनिक दस्तों और राष्ट्रीय सेवा योजना (एन॰एस॰एस॰) के स्वयंसेवकों को इस परंपरा से प्रशिक्षित किया जाता है।

अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त भ्रमण और अकादमिक यात्राएँ विद्यार्थियों के ज्ञान को समृद्ध करती हैं। यह गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अनौपचारिक शिक्षा के समग्र अनुभव का मार्ग भी प्रशस्त करती हैं। महाविद्यालय की पत्रिका 'अंकुर' विद्यार्थियों को उनके रचनात्मक लेखन और साहित्यिक कौशल विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

महाविद्यालय खेल-प्रतिभाओं को उभारने और प्रोत्साहित करने के लिए प्रसिद्ध है। हमारे खिलाड़ी संस्था और देश के लिए भी सम्मान अर्जित कर रहे हैं। महाविद्यालय ने एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबॉल, कुश्ती, योग और अन्य खेलों में विभिन्न खिलाड़ियों को उच्च कोटि की सुविधाएं प्रदान की है जिससे वह प्रतिष्ठा पाकर नाम और पद प्राप्त कर पाए। इन लब्धप्रतिष्ठित पूर्व विद्यार्थियों में प्रमुख हैं - मनोज प्रभाकर, स्व. रमन लांबा, अतुल वासन, परविंदर अवाना, सिद्धार्थ बिधूड़ी और अनुरीत सिंह इत्यादि। हमारे विद्यार्थी ललित मोहन ने मई 2017 में अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। हाल ही में योगेश शर्मा ने U-19 क्रिकेट में देश का जबकि कुँवर बिधूड़ी ने दिल्ली राज्य की ओर से रणजी ट्रॉफी में प्रतिनिधित्व किया। इसी प्रकार प्रिंस चौधरी (क्रिकेट), हंस छपराना (कुश्ती), सुश्री मुस्कान, सुश्री आशु गुप्ता, सुश्री मुन्नी (योग) आदि महाविद्यालय की उत्कृष्ट खेल प्रतिभाओं में प्रमुख हैं।

सुविधाएँ

महाविद्यालय नवीनतम आधारभूत आवश्यकताओं से सुसज्जित है। परिसर वाई-फाई से युक्त है। कम्प्यूटर हब विद्यार्थियों को इंटरनेट और दिल्ली विश्वविद्यालय लाइब्रेरी सिस्टम के विभिन्न संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है। महाविद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम, ओवर-हेड प्रोजेक्टर से युक्त और विभागीय कक्ष की भी व्यवस्था है। महाविद्यालय में अत्याधुनिक भव्य सभागार और संगोष्ठी कक्ष है। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है। महाविद्यालय में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा है। स्वच्छ पेय जल हेतु आर॰ओ॰ जल प्रणाली की सुविधा उपलब्ध है। हमारे महाविद्यालय की कैंटीन दिल्ली विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी कैंटीनों में से एक है, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक खाद्य व्यंजन मिलते हैं। यहाँ उचित दर पर फोटोस्टेट की सुविधा उपलब्ध है। 'स्वास्थ्य ही धन है' को ध्यान में रखते हुए एक फिटनेस सेंटर और चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु एक डॉक्टर की व्यवस्था भी की गयी है। पारिस्थितिकी जीविका को बढ़ावा देने के हमारे प्रयास में परिसर पूरी तरह से वर्षा जल संचयन प्रणाली, सुंदर लॉन और औषध उद्यान से सुसज्जित है।

महाविद्यालय के विषय में

सुविधाएँ @ पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰

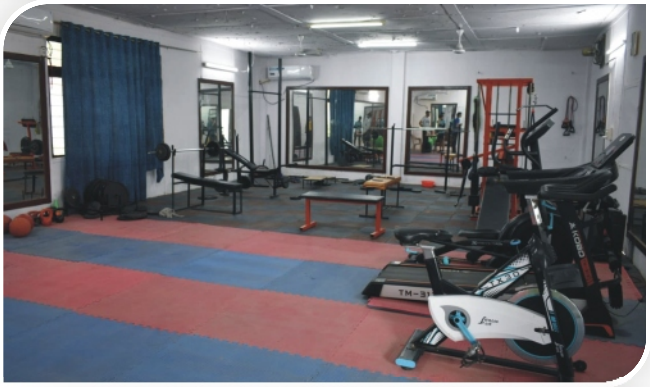

महाविद्यालय प्रांगण में आमंत्रित गणमान्य

पी०जी०डी०ए०वी० परंपरा को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय अपने प्रेरक शब्दों और अनुभवों से छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करता रहा है। कोविड महामारी के कठिन समय के दौरान भी, कॉलेज ने प्रसिद्ध लेखकों, अभिनेताओं, कलाकारों, विद्वानों को ऑनलाइन व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया और जैसे ही स्थिति सामान्य हुई इन सभी गतिविधियों का आयोजन महाविद्यालय के प्रांगण में किया जाने लगा। सत्र 2021-2022 का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम बेहद महत्त्वपूर्ण रहा जिसमें, डॉ० विनय प्रभाकर सहस्रबुद्ध

(विद्वान, सांसद और अध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद) और प्रो० रजनी अब्बी (पूर्व महापौर दिल्ली और वर्तमान प्रॉक्टर, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और हमारे छात्रों का मार्गदर्शन किया।

कॉलेज ने एक 'कवि सम्मेलन' का भी आयोजन किया था जिसमें प्रसिद्ध कवियों, अरुण जैमिनी, अभिषेक द्विवेदी और दीपक गुप्ता को आमंत्रित किया गया था। COVID-19 महामारी के कारण शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 और 2021-22 में महाविद्यालय ने श्री सुधीर चौधरी (प्रसिद्ध एंकर और सीईओ, जी न्यूज), श्री सुरेश प्रभु (राज्यसभा सदस्य) और श्री अतुल कोठारी (राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास) को ऑनलाइन बैठकों में आमंत्रित किया।

शैक्षणिक सत्र 2019-20 के दौरान श्री राजीव कुमार (उपाध्यक्ष, नीति आयोग), श्री मनोज तिवारी (दिल्ली, भाजपा अध्यक्ष व सांसद, प्रसिद्ध गायक और भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार), श्री आनंद नरसिम्हन (विख्यात सीएनएन, न्यूज 18 के एंकर व पत्रकार) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से महाविद्यालय की शोभा बढ़ाई।

शैक्षणिक सत्र 2018-19 में श्री अशोक श्रीवास्तव (प्रसिद्ध पत्रकार) और गुरु कविता द्विवेदी (प्रमुख ओड़िसी नर्तक), अनवर खान लंगा और उनकी मंडली की उपस्थिति में विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को उच्च शैक्षणिक मानकों के साथ 13 स्नातक और 4 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए आवंटित सीटों की संख्या निम्नलिखित हैः–

स्नातक पाठ्यक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यू०जी०सी०एफ –2022) में ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, दार्शनिक आधार और उच्च शिक्षा की समकालीन वास्तविकताओं को केंद्र में रखा गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन०ई०पी०) - 2020 के द्वारा उच्च शिक्षा के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त करते हुए उसकी आधारशिला रखने का कार्य किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शैक्षणिक, तकनीकी ज्ञान और व्यावसायिक कौशल प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। अकादमिक रूप से अनुशासन केंद्रित ऐच्छिक और अंतःविषयक सामान्य ऐच्छिक (जीई) की व्यवस्था भी की गयी है, जो कि स्नातक पाठ्यक्रम का आधार है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने विभिन्न कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम भी तैयार किए हैं जो विद्यार्थियों में अलग-अलग क्षेत्रों जैसे संचार कौशल, कंप्यूटर से संबंधित कौशल, कोडिंग कौशल, वित्तीय प्रबंधन कौशल आदि का प्रशिक्षण देंगे, जिससे प्रशिक्षित विद्यार्थी भविष्य में व्यवसाय का रास्ता चुन सकें। इसके अलावा विद्यार्थियों में जीवन मूल्य संवर्द्धन के लिए मूल्य संवर्द्धन पाठ्यक्रम की व्यवस्था भी की गयी है।

स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की एक सामान्य संरचना नीचे दी गई हैः–

प्रथम वर्ष की संरचना

सेमेस्टर	सार (डीएससी) 4 क्रेडिट	जीई पाठ्यक्रम 4 क्रेडिट	एईसी पाठ्यक्रम 2 क्रेडिट	एसईसी पाठ्यक्रम 2 क्रेडिट	वीएसी पाठ्यक्रम 2 क्रेडिट	कुल क्रेडिट
I	डीएससी–1 डीएससी–2 डीएससी–3	जीई–1	एईसी–1	एसईसी–1	वीएसी–1	22 क्रेडिट
II	डीएससी–4 डीएससी–5 डीएससी–6	जीई–2	एईसी–2	एसईसी–2	वीएसी–2	22 क्रेडिट

कॉलेज द्वारा प्रस्तुत स्नातक कार्यक्रम

कॉलेज अपने छात्रों को उच्च शैक्षणिक मानक प्रदान करना चाहता है। यह तेरह स्नातक और चार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए आवंटित सीटों की संख्या निम्नलिखित हैः–

उपलब्ध पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	(कुल सीटें)	सामान्य	अ॰जा॰	अ॰ज॰जा॰	अन्य पिछड़ा वर्ग	ई॰डब्ल्यू॰एस॰
वाणिज्य शास्त्र	346	140	52	26	94	34
स्नातक (विशेष) वाणिज्य शास्त्र	231	94	35	17	62	23
बी॰एससी॰ (विशेष) कम्प्यूटर विज्ञान	58	23	9	4	16	6
स्नातक (विशेष) अर्थशास्त्र	49	20	7	4	13	5
स्नातक (विशेष) अंग्रेजी	78	31	12	6	21	8
स्नातक (विशेष) हिंदी	78	31	12	6	21	8
स्नातक (विशेष) इतिहास	49	20	7	4	13	5
बी॰एससी॰ (विशेष) गणित	49	20	7	4	13	5
स्नातक (विशेष) राजनीति शास्त्र	78	31	12	6	21	8
स्नातक (विशेष) संस्कृत	49	20	7	4	13	5
बी॰एससी॰ (विशेष) सांख्यिकी	49	20	7	4	13	5
*बी॰ए॰ प्रोग्राम	231	94	35	17	62	23
बी॰ एससी॰ मैथमेटिकल साइंस	57	23	9	4	15	6

** बी॰ए॰ प्रोग्राम के अभ्यर्थी अपने अनुशासन विषय के युग्म चयन के लिए विस्तृत तालिका की सहायता लें।*

उपलब्ध पाठ्यक्रम

बी०ए० प्रोग्राम – विषय युग्म

बी०ए० प्रोग्राम विद्यार्थियों को अनुशासन पाठ्यक्रम के रूप में चुनने के लिए अनेक विषय उपलब्ध रहते हैं। इसमें विद्यार्थियों को अनुशासनात्मक और अंतः अनुशासनात्मक प्रकृति के विभिन्न विषयों से परिचित कराया जाता है। ये कोर्स विद्यार्थियों में व्यापक अकादमिक अभिरुचि पैदा करते हैं, साथ ही उनके लिए बहुआयामी अवसर प्रदान कर बहुसंख्यक करियर विकल्पों के दरवाजे खोल देते हैं। विद्यार्थियों को भाषा पाठ्यक्रम हेतु नीचे दी गई तालिका से अनुशासन पाठ्यक्रमों में से किसी एक युग्म का चयन करने की आवश्यकता हैः–

क्र०सं०	बी०ए० प्रोग्राम के लिए अनुशासन विषयों के युग्म	कुल सीट
1	इतिहास, राजनीति विज्ञान	77
2	लेखा एवं वित्त, अर्थशास्त्र	14
3	उद्यमिता एवं लघु उद्योग, अर्थशास्त्र	14
4	कम्प्यूटर अनुप्रयोग, अर्थशास्त्र	9
5	कम्प्यूटर अनुप्रयोग, गणित	9
6	राजनीति विज्ञान, शारीरिक शिक्षा	15
7	राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र	20
8	राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी	14
9	राजनीति विज्ञान, संस्कृत	14
10	राजनीति विज्ञान, हिंदी	9
11	इतिहास, अंग्रेजी	9
12	इतिहास, हिंदी	9
13	गणित, अर्थशास्त्र	9
14	संस्कृत, इतिहास	9

सामान्य एच्छिक (जीई) विकल्प

अंतरअनुशासनिक पाठ्यक्रम

विभाग	सेमेस्टर 1
वाणिज्य	(क) बिजनेस ऑर्गनाइजेशन (ख) फाइनेंस फॉर एवरिवन (ग) मार्केटिंग फॉर बिगनर्स (घ) अकाउंटिंग फॉर एवरिवन
कंप्यूटर विज्ञान	(क) प्रोग्रामिंग यूजिंग C++ (ख) प्रोग्रामिंग विद पाइथोन
अर्थशास्त्र	(क) प्रिन्सिपल ऑफ इक्नोमिक्स 1 (ख) एसन्शियल ऑफ इक्नोमिक्स

अंग्रेजी	बी॰कॉम॰ इंग्लिश लेंगवेज थ्रू लिट्रेचर - 1 ऑल बी॰ए॰ (ऑनर्स) थ्रू लिट्रेचर एंड ह्यूमन राइट बी॰कॉम॰ (ऑनर्स), ऑल बी॰एससी॰ (ऑनर्स) ः रीडिंग ऑन इंडियन डायवर्सिटीज लिटरेरी मूवमेंट
हिंदी	आनर्स ः हिंदी का व्यावहारिक अनुवाद हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन हिंदी का वैश्विक परिदृश्य बी॰ए॰ (प्रोग्राम) ः हिंदी - ए, हिंदी - बी, हिंदी - सी
इतिहास	ऑल ऑनर्स ः साइंस, टेक्नोलोजिस एंड ह्यूमन ः कंटेस्टेड हिस्ट्री बी॰ए॰ (प्रोग्राम) मल्टीडिसिप्लिनरी ः अंडरस्टैंडिंग हिस्ट्री
गणित	ऑल ऑनर्स ः (क) फंडामेंटल ऑफ कैलकुलस (ख) थ्योरी ऑफ इक्वेशन एंड सिमेट्रिस बेचलर इन मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्सेस विद थ्री कोर कोर्सेज ः अनालेटिक ज्योमेट्री
राजनीति विज्ञान	आइडिया इन इंडियन पॉलिटिकल थोट
संस्कृत	आयुर्वेद के मूल सिद्धान्त
सांख्यिकी	ऑल ऑनर्स ः सांख्यिकी का परिचय बी॰एससी॰ (प्रोग्राम) मैथेमेटिकल साइंस ः बेसिक स्टेटिस्टिक्स

प्रत्येक छात्र को उनके द्वारा चुने गए अन्य पाठ्यक्रमों के अलावा पर्यावरण विज्ञान में एक योग्यता वृद्धि अनिवार्य (एईसी) पाठ्यक्रम और एक भाषा पाठ्यक्रम लेना आवश्यक है। छात्र को एस॰ई॰सी॰ के बारे में और अधिक विवरण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम	(कुल सीटें)	सामान्य	अ॰जा॰	अ॰ज॰जा॰	अन्य पिछड़ा वर्ग	ई॰डब्ल्यू॰एस॰
हिंदी	22	9	3	2	6	2
राजनीति विज्ञान	22	9	3	2	6	2
वाणिज्य शास्त्र	22	9	3	2	6	2
गणित	22	9	3	2	6	2

नोट ः अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग/ई॰डब्ल्यू॰एस॰ एवं अन्य श्रेणियों को दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार आरक्षण एवं छूट दी जाएगी।

प्रवेश प्रक्रिया

सामान्य सूचनाएँ

1. उम्मीदवार अद्यतन, दिशानिर्देश, कार्यक्रम और प्रवेश संबंधी नीतियों की जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय (यूओडी) की प्रवेश वेबसाइट को नियमित रूप से देखते रहें।
2. अंडर-ग्रेजुएट (यूजी) प्रवेश-2022 के संबंध में अधिसूचना और नवीनतम जानकारी के लिए, कृपया www.admission.uod-ac.in को निरंतर देखते रहें।
3. सभी स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश पात्रता के आधार पर किया जाता है, प्रवेश संबंधी निर्दिष्ट मानदंड, प्रक्रियाएं और सूचना का बुलेटिन - 2022 (यूजी-बीओआई) और सामान्य सीट आवंटन प्रणाली-2022 (सी०एस०ए०एस०) विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।
4. दिल्ली विश्वविद्यालय संबंधी जो अध्यादेश, नियम, विनियम और अधिसूचनाएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in उपलब्ध हैं, अंतिम और बाध्यकारी होगी।
5. शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-अंडर-ग्रेजुएट 2022 (CUET (UG) 2022) के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।
6. केवल वे उम्मीदवार जो सीयूईटी (यूजी)-2022 में उपस्थित हुए हैं और किसी एक मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा पास कर चुके हैं, CSAS-2022 के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे।
7. वे उम्मीदवार जो दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन कर रहे हैं उन्हें सामान्य पात्रता मानदंड और पाठ्यक्रम संबंधी विशेष पात्रता मानदंड के लिए (http://du.ac.in/uploads/new&web/21042022_BOI&UG-pdf) को निरंतर देखने की सलाह दी जाती है।
8. उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि वह, प्रवेश संबंधी सभी अद्यतन जानकारी के लिए अपना ई-मेल, डैशबोर्ड और वैबसाइट (www-admission-uod-ac-in) निरंतर देखते रहें।
9. किसी भी आरक्षित श्रेणी के तहत (एससी / एसटी / ओबीसी-एनसीएल / ईडब्ल्यूएस / अल्पसंख्यक / सीडब्ल्यू / पीडब्ल्यूबीडी / के०एम०) आवेदन करने वाले उम्मीदवार द्वारा अपनी पात्रता साबित करना उसकी जिम्मेदारी होगी। आरक्षण के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी श्रेणी / उप-श्रेणी संबन्धित प्रमाण पत्र / दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता होगी।
10. यदि किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश से संबंधित प्रस्तुत दस्तावेज नकली / गैर-वास्तविक और / या मनगढ़ंत या किसी अन्य तरीके से दोषपूर्ण पाए जाते हैं, तो उक्त उम्मीदवार को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि पहले से ही प्रवेश दिया गया है, तो उसका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। यदि पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद भी ऐसा ही पाया जाता है, तो उसकी डिग्री रद्द कर दी जाएगी और उसके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
11. प्रवेश प्रक्रिया में एक उम्मीदवार की भागीदारी अनंतिम होगी यदि, किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि उसने पात्रता आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया गया है, तो प्रवेश तत्काल रद्द कर दिया जाएगा और ऐसे उम्मीदवार के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
12. किसी भी उम्मीदवार के अपात्र पाए जाने की स्थिति में विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
13. शैक्षणिक सत्र 2022-23 के स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए गैप ईयर अवरोध नहीं होगा। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को CUET-2022 में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

14. विदेशी छात्रों की श्रेणी के तहत प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए आवश्यक है कि वे उम्मीदवार http://fsr.du.ac.in वेबसाइट पर आवेदन करें।

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस–2022)

1. शैक्षणिक सत्र 2022–23 के लिए सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश CSAS-2022, UG BOI-2022 के माध्यम से होगा। अन्य नियम एवं पात्रता दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित सूचना के आधार पर मान्य होंगे।
2. सी॰एस॰ए॰एस॰–2022 के प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए www.admission.uod.ac.in पर एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को CSAS-2022 के माध्यम से आवेदन पत्र भरना होगा। यह सुविधा ऑफलाइन उपलब्ध नहीं होगी।
3. कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम 2022 को तीन चरणों में विभाजित किया गया हैः–
   क) दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करना।
   ख) कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए वरीयताएँ भरना।
   ग) आवंटन–सह–प्रवेश।
4. अधूरे प्रमाणपत्रों/दस्तावेजों की अनुपलब्धता से संबन्धित विषय में कोई वचनबद्धता (Undertaking) स्वीकार नहीं की जाएगी।

महाविद्यालय द्वारा ऑनलाइन अनुमोदन

1. एक बार जब उम्मीदवार अनंतिम रूप से आवंटित सीट को 'स्वीकार' कर लेगा, तो महाविद्यालय पात्रता संबंधी अपलोड किए गए निम्नलिखित दस्तावेजों की जाँच और सत्यापन निर्धारित समय सीमा के भीतर करेगाः–
   1. उम्मीदवार की न्यूनतम अहर्ता
   2. उम्मीदवार की पाठ्यक्रम केन्द्रित अहर्ता
   3. सबजेक्ट मैपिंग ः दिल्ली विश्वविद्यालय (CUET के अंतर्गत) केवल उन्हीं विषयों पर विचार करेगा जिसमें उम्मीदवार बारहवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो।
   4. उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों / प्रमाणपत्रों की वैधता और प्रामाणिकता।
2. ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान यदि कोई कॉलेज अधिक स्पष्टता/सूचना चाहता है, तो ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवार को निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन जवाब देना होगा। प्रश्न/सूचना का उत्तर देने में विफल उम्मीदवार की आवंटित सीट को अस्वीकार कर दिया जाएगा और उम्मीदवार CSAS-2022 से बाहर हो जाएगा।
3. सत्यापन के बाद, अस्थायी रूप से आवंटित सीट को महाविद्यालय 'स्वीकृत' या 'अस्वीकृत' करेगा। स्वीकृत सीट के लिए कॉलेज की मंजूरी मिलने के बाद, उम्मीदवार को 'प्रवेश शुल्क' का भुगतान करना होगा।
4. प्रवेश शुल्क के सफल भुगतान के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण माना जाएगा। यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर प्रवेश शुल्क का भुगतान करने में विफल रहता है, तो यह अनंतिम रूप से आवंटित सीट को रद्द करने का कारण माना जाएगा एवं आवंटित सीट जब्त कर ली जाएगी और अभ्यर्थी की उम्मीदवारी पर बाद में कोई विचार नहीं किया जाएगा। वह उम्मीदवार सीएसएएस–2022 के अंतर्गत आवंटन राउंड के सभी अधिकारों को खो देगा। CSAS-2022 आवंटन दौर के किसी भी चरण में उसकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. उम्मीदवार द्वारा प्रवेश वापस लेने की स्थिति में प्रवेश शुल्क पूरी तरह से वापस तभी किया जाएगा जब प्रवेश निकासी, अंतिम तिथि से पहले की गई हो। जैसा कि दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा घोषित किया गया है। अंतिम तिथि के बाद की गई प्रवेश निकासी के लिए प्रवेश शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किया जाएगा। निम्नलिखित के लिए धन वापसी नहीं की जाएगीः-
    1. CSAS-2020 आवेदन शुल्क
    2. आवेदन प्रक्रिया मध्य प्रवेश शुल्क
    3. वापसी शुल्क
6. CSAS-2022 के समापन पर, सभी भर्ती उम्मीदवारों को संबन्धित कॉलेज में संपर्क करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रवेश संबंधी सभी औपचारिकताएँ, दस्तावेजों / प्रमाणपत्रों के भौतिक सत्यापन सहित, पूरी कर ली गयी हैं।
7. उम्मीदवार का प्रवेश विशुद्ध रूप से अंतिम और संबंधित कॉलेज द्वारा मूल दस्तावेजों के सत्यापन के अधीन है। कॉलेज सभी दस्तावेज / प्रमाण पत्रों की दोबारा जांच करेगा। भौतिक सत्यापन के दौरान यदि कोई दस्तावेज / प्रमाण पत्र अपर्याप्त/अनुपयुक्त मिलता है तो प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2022-23 के किसी भी स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के अवसर से वंचित रखा जाएगा।

पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से प्रवेश

1. उम्मीदवार अधिकतम तीन ईसीए श्रेणियों में आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, प्रवेश केवल एक ही श्रेणी में मिलेगा।
2. जिस ईसीए श्रेणी में उम्मीदवार आवेदन कर रहा है, उसे पिछले पांच वर्षों के सर्वश्रेष्ठ पांच प्रमाणपत्रें को जो 1 अप्रैल 2017 से 30 जून 2022 की समयावधि के बीच जारी किए गए हों, अपलोड करना आवश्यक होगा।
3. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पहले विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में ईसीए श्रेणियों / उप-श्रेणियों की ईसीए सीट मैट्रिक्स देखें। (लिंक ः admission.uod.ac.in)
4. सभी कॉलेजों के लिए ईसीए सुपरन्यूमेरी कोटा का आवंटन विश्वविद्यालय की केंद्रीय ईसीए प्रवेश समिति के माध्यम से होता है।
5. ईसीए सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश के लिए उम्मीदवार के संयुक्त ईसीए मेरिट (सीईएम) स्कोर पर विचार किया जाएगा। एक उम्मीदवार का सीईएम स्कोर उन सभी प्रोग्रामों के उच्चतम प्रोग्राम-विशिष्ट सीयूईटी प्रतिशत स्कोर के 25 प्रतिशत का योग होगा जिसमें उसने आवेदन किया है और ईसीए श्रेणियों में से प्राप्त उच्चतम ईसीए प्राप्तांक का 75 प्रतिशत होगा जिसके लिए उम्मीदवार पर विचार किया जा रहा है।
6. ईसीए स्कोर के लिए अधिकतम अंक 75 होंगे, जिसमें शारीरिक प्रदर्शन परीक्षण और / या अपलोड किए गए प्रमाणपत्र, जैसा लागू हो शामिल हैं।
7. सभी 12 श्रेणियों (एनसीसी और एनएसएस को छोड़कर) के लिए ईसीए स्कोर 75 अंक होंगे, जिसमें 60 अंक शारीरिक परीक्षण के आधार पर और 15 अंक जमा किए गए प्रमाण पत्र के आधार पर दिया जाएगा।
8. शारीरिक परीक्षणों के प्रदर्शन में निर्णायकों द्वारा प्रदान अंक अंतिम और बाध्यकारी होगा।

9. ईसीए सुपरन्यूमेरी कोटा के माध्यम से प्रवेश पाने वाले सभी उम्मीदवारों को प्रवेश के समय अनिवार्य रूप से एक अंडरटेकिंग जमा करना होगा कि जब तक महाविद्यालय में उनका नामांकन रहेगा उसे संबंधित गतिविधि में भाग लेना होगा। संबंधित गतिविधियों में भाग नहीं लेने की स्थिति में उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
10. प्रत्येक महाविद्यालय की ईसीए सीट मैट्रिक्स, शारीरिक परीक्षण से संबंधित सभी विवरण और जानकारी (जो भी लागू हो) और ईसीए प्रवेश 2022-23 के लिए अन्य अतिरिक्त जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अधिसूचित होगा। उम्मीदवारों को ईसीए कोटा के तहत प्रवेश संबंधी सभी सूचनाओं के लिए नियमित रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखते करते रहना चाहिए।

ई.सी.ए. के अंतर्गत प्रवेश गतिविधियों की सूची निम्नलिखित हैः–

1. नृत्य (भारतीय शास्त्रीय, भारतीय लोक, पश्चिमी)
2. गायन (भारतीय शास्त्रीय, भारतीय सुगम और लोक, पश्चिमी शास्त्रीय, पश्चिमी सुगम, रैप बीट्स)
3. वाद्य संगीत (भारतीय शास्त्रीय, भारतीय सुगम, पश्चिमी शास्त्रीय, पश्चिमी सुगम)
4. रंगमंच (नाटक, नुक्कड़)
5. रचनात्मक लेखन (अंग्रेजी और हिंदी)
6. ललित कला (चित्रकला, मूर्तिकला, रेखांकन, प्रदर्शनकारी कलाएँ)
7. डिजिटल मीडिया (फिल्म एंड फोटोग्राफी सोसाइटी)
8. क्विज
9. एन.सी.सी.

' *अर्हता पर नामांकित विद्यार्थी को 100 रूपये के न्यायिक पत्र पर अंडरटेकिंग देना आवश्यक है कि वे संबंधित खेल में महाविद्यालय में प्रतिभागिता बनाए रखेंगे, अन्यथा उनका नामांकन रद्द किया जा सकता है।*

' *ई.सी.ए. के आधार पर दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को लिखित रूप में एक अंडरटेकिंग देने की आवश्यकता होती है कि जब तक महाविद्यालय में नामांकन रहेगा उसे संबंधित गतिविधि में भाग लेना होगा। संबंधित गतिविधियों में भाग नहीं लेने की स्थिति में उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।*

' *प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय एवं पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय की वेबसाइट देखें।*

खेलों के आधार पर प्रवेश

1. व्यायाम	2. बॉक्सिंग	3. क्रिकेट	4. फुटबाल
5. ताइक्वोंडो	6. वालीबॉल	7. कुश्ती	8. तैराकी
9. जुडो	10. बास्केटबॉल		

प्रवेश संबंधी अनिवार्य दस्तावेज

उम्मीदवारों द्वारा आवेदन करते समय अपलोड किए गए सभी संबंधित प्रमाणपत्रों / दस्तावेजों (जैसा लागू हो) की मूल प्रतियाँ, प्रवेश के समय महाविद्यालय में सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

1. दसवीं कक्षा के प्रमाण पत्र पर उम्मीदवार का नाम, जन्मतिथि और उसके माता-पिता का नाम उल्लेखित हो।
2. बारहवीं कक्षा की मार्कशीट पर उल्लिखित उम्मीदवार का नाम और सीयूईटी (यूजी)-2022 फॉर्म पर उल्लिखित उम्मीदवार का नाम हू-ब-हू होना चाहिए।
3. एससी / एसटी / ओबीसी-एनसीएल / ईडब्ल्यूएस / अल्पसंख्यक / सीडब्ल्यू / केएम / पीडब्ल्यूबीडी प्रमाण पत्र (उम्मीदवार के नाम के साथ) सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया हो। एससी / एसटी /

ओबीसी-एनसीएल / ईडब्ल्यूएस / अल्पसंख्यक / सीडब्ल्यू / केएम / पीडब्ल्यूबीडी के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उसके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र और सीयूईटी (यूजी)-2022 पर उल्लिखित नाम से मेल खाना चाहिए। इसी तरह उनके माता-पिता के नाम भी सभी प्रमाण पत्रों में एक जैसा होना चाहिए।

4. ओबीसी-गैर-क्रीमीलेयर प्रमाण पत्र (उम्मीदवार के नाम के साथ) सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया हो और उसकी जाति http://ncbc.nic.in द्वारा जारी की गई ओबीसी केंद्रीय सूची में शामिल हो। ओबीसी-नॉन क्रीमी लेयर के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उसके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र और सीयूईटी (यूजी)-2022 पर उल्लिखित नाम से मेल खाना चाहिए। इसी तरह उनके माता-पिता के नाम भी सभी प्रमाण पत्रों में मेल खाना चाहिए। आय प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2022 के बाद जारी किया गया हो। ओबीसी-एनसीएल प्रमाण पत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अनुलग्नक IV देखें।

5. सक्षम अधिकारी से प्रमाणित ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र (उम्मीदवार के नाम के साथ) प्राप्त करने वाला उम्मीदवार इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है। इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम उसके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाण पत्र के नाम से मेल खाना चाहिए। इसी तरह उसके माता-पिता का नाम उसके सभी प्रमाण पत्रों से मेल खाने चाहिए। आय प्रमाण पत्र 31 मार्च, 2022 के बाद जारी किया गया हो। प्रमाण पत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए अनुलग्नक IV देखें।

6. ईसीए / स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा के तहत प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों को अपेक्षित प्रमाणपत्रों की स्व-सत्यापित प्रतियां अपलोड करना होगा और आवश्यक प्रमाण पत्र मांगे जाने पर प्रस्तुत करना होगा।

7. पीडब्ल्यूबीडी विकलांगता प्रमाण पत्र किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा उम्मीदवार के नाम पर जारी होना चाहिए, जिसमें उम्मीदवार की तस्वीर हो (प्रमाण पत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए अनुलग्नक IV देखें)। 01.06.2021 के बाद जारी विकलांगता प्रमाण पत्र दिनांक 05.05.2021 को जारी राजपत्र अधिसूचना संख्या 17360(ई) के अनुसार होना चाहिए जो विकलांग व्यक्तियों के अधिकारिता विभाग द्वारा प्रमाणित और यूडीआईडी पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया गया हो। 01.06.2021 से पहले जारी किए गए विकलांगता प्रमाण पत्र विकलांग व्यक्तियों के अधिकारिता विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य मौजूदा लागू नियमों और अधिसूचनाओं के अनुसार ही मान्य किए जायेंगे।

8. सीडब्ल्यू श्रेणी के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को शैक्षिक रियायत प्रमाण पत्र (ईसीसी) निर्धारित प्रारूप में (उम्मीदवार के नाम पर जारी) अपलोड करना होगा, जिसमें वरीयता स्पष्ट रूप से उल्लिखित हो। प्रमाण पत्र के निर्धारित प्रारूप के लिए अनुलग्नक IV देखें।

9. कश्मीरी प्रवासी श्रेणी के अंतर्गत आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को संभागीय आयुक्त / राहत आयुक्त द्वारा जारी सही प्रारूप में मान्य प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा।

10. जो उम्मीदवार यूओडी वार्ड सुपरन्यूमरी कोटा के तहत प्रवेश लेना चाहते हैं, उन्हें सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया अपने माता-पिता का एक वैध रोजगार प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। केवल सीएसएएस आवेदन पत्र में अपलोड किए गए रोजगार प्रमाण पत्र पर विचार किया जाएगा। आई-कार्ड, आधार कार्ड या कोई अन्य दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रवेश समिति

1.	प्रो॰ कृष्णा शर्मा	प्राचार्य
2.	श्री सुरेन्द्र कुमार	कोषाध्यक्ष
3.	डॉ॰ इंद्रनील चौधरी	पूर्व–पदेन
4.	डॉ॰ रविश शर्मा	संयोजक नोडल अधिकारी
5.	डॉ॰ वरुण भूषण	सह–संयोजक
6.	डॉ॰ अतुल कुमार	वाणिज्य
7.	डॉ॰ रामवीर	वाणिज्य
8.	डॉ॰ नीरजा	वाणिज्य
9.	डॉ॰ अपर्णा दत्त	कंप्यूटर विज्ञान
10.	श्री अनिरुद्ध प्रसाद	अर्थशास्त्र
11.	सुश्री रेनू कपूर	अंग्रेजी
12.	डॉ॰ अरुण कुमार मिश्र	हिंदी
13.	सुश्री सरबानी कुमार	इतिहास
14.	सुश्री जसविंदर गोस्वामी	सांख्यिकी
15.	डॉ॰ पवन डबास	शारीरिक शिक्षा
16.	डॉ॰ दुर्योधन नाहक	राजनीति विज्ञान
17.	डॉ॰ दिलीप कुमार झा	संस्कृत
18.	प्रो॰ गोपाल दत्त	गणित
19.	सुश्री प्रियंका गुप्ता	बी॰एससी॰ (प्रोग्राम) गणितीय विज्ञान
20.	श्री अनिरुद्ध प्रसाद	बी॰ए॰ प्रोग्राम
21.	डॉ॰ ऋचा अग्रवाल	बी॰ए॰ प्रोग्राम
22.	डॉ॰ गौरव कुमार	बी॰ए॰ प्रोग्राम
23.	डॉ॰ दिलीप कुमार झा	बी॰ए॰ प्रोग्राम

ईसीए प्रवेश समिति

1. प्राचार्य, प्रो॰ कृष्णा शर्मा
2. सुश्री मोनिका सैनी (संयोजक, सांस्कृतिक समिति) • monika.saini@pgdav.du.ac.in • 8285605233
3. डॉ॰ नीरजा (सह संयोजक, सांस्कृतिक समिति) • neerza@pgdav.du.ac.in • 9990366709
4. डॉ॰ रामवीर (कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना) • ramveer@pgdav.du.ac.in • 9911771002
5. ले. रेनू जोनवाल (एन. सी. सी.) • renu.jonwal@pgdav.du.ac.in • 9654396969

खेल–कूद प्रवेश समिति

1. प्राचार्य, प्रो. कृष्णा शर्मा
2. डॉ॰ सुषमा चौधरी •sushma.choudhary@pgdav.du.ac.in • 9811911763
3. डॉ॰ पवन कुमार •pawan.dabas@pgdav.du.ac.in • 9312219030

अनुसूचित जाति / जनजाति / दिव्यांग / अन्य पिछड़ा वर्ग / आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग / अन्य श्रेणियों के प्रमाण पत्र सत्यापन की समिति

1. डॉ॰ शमशेर सिंह (अनुसूचित जाति / जनजाति) •scst@pgdav.du.ac.in • 9990449620
2. डॉ॰ किरण यादव (अन्य पिछड़ा वर्ग) • obc@pgdav.du.ac.in • 9911187747
3. डॉ॰ अंकित अग्रवाल (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) •ews@pgdav.du.ac.in • 9716558325
4. श्री वरुण गौतम (दिव्यांग श्रेणी) • pwd@pgdav.du.ac.in • 9711150109
5. डॉ॰ गौरव कुमार (पी॰एम॰एस॰एस॰एस॰) • gaurav.kumar@pgdav.du.ac.in • 7053161201

सहायता केंद्र समिति (ईमेल : helpdesk@pgdav.du.ac.in)

1. सुश्री रेनू कपूर (संयोजक) • 9810343286
2. डॉ॰ रामवीर • 9911771002
3. डॉ॰ अपर्णा दत्त • 8826071234

शिकायत निवारण समिति (ईमेल : grievance@pgdav.du.ac.in)

1. डॉ॰ नीरजा (संयोजक) • 999036679
2. डॉ॰ पवन कुमार • 9312219030
3. सुश्री सोनिया नायर • 9818909286
4. डॉ॰ दिलीप कुमार झा • 9968267460

अनुसूचित जाति / जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग सहायता केंद्र / शिकायत निवारण समिति

1. डॉ॰ शमशेर सिंह ((अनुसूचित जाति / जनजाति) •scst@pgdav-du-ac-in • 9990449620

2. डॉ॰ किरन यादव (अन्य पिछड़ा वर्ग) • obc@pgdav-du-ac-in • 9911187747
3. डॉ॰ अंकित अग्रवाल (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) • ews@pgdav-du-ac-in • 9716558325

दिव्यांग सहायता केंद्र (ईमेल : pwd@pgdav.du.ac.in)

1. श्री वरुण गौतम • 9711150109
2. डॉ॰ दुर्योधन नाहक • 9999973600
3. डॉ॰ ऋतु गुप्ता • 8510069337

सलाहकार / परामर्शदाता

1. सुश्री सरबानी कुमार • sarbani.kumar@pgdav.du.ac.in • 9871455004
2. डॉ॰ मनोज कुमार कैन • manoj.kain@pgdav.du.ac.in • 9212763369
3. डॉ॰ इंद्रनील चौधरी • indranil.chowdhury@pgdav.du.ac.in • 7048941427
4. डॉ॰ चेतन छोईदेब • chhetan.choideb@pgdav.du.ac.in • 8076497368

अंक आंकलन / मानकीकरण प्रकोष्ठ

1. डॉ॰ दरविंदर कुमार • darvinder.kumar@pgdav.du.ac.in • 9868313560
2. डॉ॰ गीता कलूचा • geeta.kalucha@pgdav.du.ac.in • 9811895943
3. डॉ॰ मसर्रत अहमद • mussarat.ahmed@pgdav.du.ac.in • 9910971970

शुल्क संरचना

स्नातक पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2022-23 के सभी प्रकार के शुल्क प्रवेश के समय देय हैं। प्रवेश के पश्चात शुल्क प्रतिदाय (वापसी) दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार की जाएगी।

प्रवेश के समय देय शुल्क

1	शिक्षा (Tuition) शुल्क	180
2	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	100
3	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	4795
4	विश्वविद्यालय विकास शुल्क	900
5	महाविद्यालय विकास शुल्क	2400
6	विश्वविद्यालय सुविधा एवं सेवा शुल्क	500
7	महाविद्यालय सुविधा एवं सेवा शुल्क	4815
8	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सहयोग हेतु विश्वविद्यालय कोष	100
9	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) शुल्क	20
	कुल	**13810**

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

1	शिक्षा (Tuition) शुल्क	216
2	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	100
3	महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष	4995
4	विश्वविद्यालय विकास शुल्क	900
5	महाविद्यालय विकास शुल्क	2400
6	विश्वविद्यालय सुविधा एवं सेवा शुल्क	500
7	महाविद्यालय सुविधा एवं सेवा शुल्क	5765
8	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सहयोग हेतु विश्वविद्यालय कोष	100
9	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) शुल्क	20
	कुल	**14996**

बी॰एससी॰ विशेष कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम (स्व वित्तपोषित) के लिए 220 रुपए अतिरिक्त पाठ्यक्रम शुल्क और 4500 रुपए अतिरिक्त कंप्यूटर प्रयोग शुल्क लिया जाएगा।

विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने की पात्रता के लिए विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार, (जब भी अधिसूचित किया जाए) परीक्षा पत्रक भरना अनिवार्य होगा।

शुल्क संरचना

शुल्क रियायत

कॉलेज जरूरतमंद छात्रों और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शुल्क में रियायत देता है। शुल्क में रियायत का जारी रहना अच्छे व्यवहार, नियमित उपस्थिति और पढ़ाई में संतोषजनक प्रगति पर निर्भर करता है। इसके लिए कॉलेज में एक छात्र सहायता कोष (एसएएफ) समिति है। शुल्क रियायत के लिए, कॉलेज की वेबसाइट पर नोटिस आते ही कॉलेज कार्यालय से उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र पर रियायत के लिए आवेदन किया जाना चाहिए।

स्व–वित्तपोषित पाठ्यक्रमों के लिए कोई शुल्क रियायत नहीं दी जाएगी।

मेरिट और मेरिट–कम–मीन्स स्कॉलरशिप

कॉलेज मेधावी छात्रों के लिए कई मेरिट स्कॉलरशिप और जरूरतमंद छात्रों के लिए मेरिट–कम–मीन्स स्कॉलरशिप प्रदान करता है। इस संबंध में छात्र प्राचार्य से संपर्क कर सकते हैं।

विभागीय विवरण

प्राचार्य ः डॉ कृष्णा शर्मा

बर्सर ः श्री सुरेंद्र कुमार

वाणिज्य विभाग

'ज्ञान में निवेश सर्वोत्तम ब्याज का भुगतान करता है'– *बेंजामिन फ्रेंकलिन*

वाणिज्य विभाग दो स्नातक स्तरीय उपाधि बी.कॉम और बी.कॉम. (ऑनर्स) तथा एक स्नातकोत्तर एम.कॉम. की उपाधि उपलब्ध कराता है। यह सभी पाठ्यक्रम अत्यंत लोकप्रिय हैं और विद्यार्थियों की पहली पसंद हैं। वाणिज्य के यह पाठ्यक्रम लेखांकन, वित्त, विपणन प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, विदेशी विनिमय प्रबंधन, कराधान विधि प्रबंधन आदि से वाणिज्य के सभी अंगों का विद्यार्थियों को ज्ञान देकर उन्हें आज की प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक दुनिया का सामना करने में सक्षम बनाते हैं। यह सभी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को वह ज्ञान उपलब्ध कराते हैं जिससे वे आर्थिक स्टेटमेंट, कॉर्पोरेट गवर्नेंस, ऑडीटिंग, शोध प्रविधि एवं व्यापार संहिताओं से सम्पन्न हो सकें। इसके साथ ही यह उन्हें सफल उद्यमी बनाने में भी सक्षम हैं। यह सभी पाठ्यक्रम विभिन्न पेशेवर उपाधियों सी.ए., सी.एस., सी.एम.ए. और एम.बी.ए. के इच्छुक विद्यार्थियों को आधारभूमि भी प्रदान करते हैं।

वाणिज्य विभाग में गुणात्मक अनुसंधान और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर अत्यधिक जोर देने के लिए 'एनालिटिका' नामक एक समर्पित अकादमिक और अनुसंधान समिति भी है। कॉमर्स सोसाइटी और कॉमर्सियम संकाय सदस्यों और होनहार विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और कौशल के अपने विशाल भंडार को साझा करने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करता है। यह कार्यशालाओं, सेमिनारों और वार्षिक वाणिज्य उत्सव जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है।

विभाग के प्राध्यापक निम्नलिखित हैं ः–

1. श्री सुरेंद्र कुमार
2. डॉ॰ (सुश्री) मिनी
3. सुश्री सीमा अग्रवाल
4. डॉ॰ (सुश्री) अनुराधा गुप्ता
5. डॉ (सुश्री) शुचि पाहुजा
6. डॉ॰ (सुश्री) रजनी जगोटा
7. डॉ॰ (सुश्री) सोनिया सभरवाल
8. **डॉ॰ राकेश कुमार (प्रभारी)**
9. डॉ॰ सुरेंद्र सिंह
10. डॉ॰ (सुश्री) परवीन
11. श्री वरुण गौतम
12. डॉ॰ शशि नंदा
13. डॉ॰ चेतन छोयेडुब
14. प्रो. मनोज कुमार सिन्हा
15. डॉ॰ शमशेर सिंह
16. लेफ्टिनेंट रेनु जोनवाल*
17. डॉ॰ फूलचंद
18. सुश्री रितु गुप्ता
19. डॉ॰ (सुश्री) आकांक्षा जैन
20. डॉ॰ गुरुचरण सचदेवा
21. सुश्री मेघा अग्रवाल*
22. डॉ॰ रामवीर
23. डॉ॰ अतुल कुमार
24. डॉ॰ (सुश्री) शिखा मेनानी
25. सुश्री नीरजा
26. सुश्री गीतिका जग्गी
27. सुश्री किरण यादव
28. सुश्री सुनीता
29. सुश्री खुशबू अग्रवाल
30. डॉ॰ मुसर्रत अहमद
31. सुश्री अनंदिता गोल्दार
32. सुश्री साक्षी वर्मा*
33. सुश्री भावना मिगलानी
34. सुश्री मोनिका सैनी

35. सुश्री कविता सिंगला#
36. श्री प्रदीप कुमार दुबे#
37. श्री सुनील कुमार#
38. सुश्री निशा गोयल#
39. सुश्री रितु#
40. सुश्री मेघा मण्डल#
41. सुश्री आर.वी.एस. चुइमिला#
42. सुश्री सुचित्र मेहता#
43. सुश्री गीतु निझावन#
44. श्री सौरभ कुमार#
45. सुश्री मधुरिका वर्मा#
46. सुश्री अदिति बथेजा#
47. सुश्री चार्वी जैन#
48. रीना तलवार#

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

कम्प्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास के उद्देश्य और पेशेवर विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, बी.एससी कम्प्यूटर विज्ञान (विशेष) के साथ बी.एससी गणितीय विज्ञान तथा बीए प्रोग्राम के विद्यार्थियों को एक अंतरानुशासनात्मक विषय के रूप में उपलब्ध कराता है। बी.एससी (विशेष) और बी. एससी गणितीय विज्ञान में मुख्य विषयों के अतिरिक्त ऑपरेटिंग सिस्टम, डी.बी.एम.एस. कम्प्यूटर नेटवर्क और डाटा स्ट्रक्चर के साथ ही अधुनातन विषय जैसे - पायथन, जावा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग, इंटरनेट तकनीक भी पढ़ाए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम एक ओर जहाँ व्यावसायिक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की जरूरतों के अनुकूल है, वहीं एम.सी.ए., एम.एससी. तथा एम.बी.ए. जैसे शैक्षणिक कार्यक्रमों में नामांकन के लिए भी नए द्वार खोलता है। हमारे पास उच्च सुविधाओं से युक्त प्रयोगशाला है जो विद्यार्थियों की प्रोग्रामिंग में निपुणता में सहायक है। विद्यार्थियों को अनेक आई.सी.टी. तकनीकों के माध्यम से भी शिक्षित किया जाता है। हमारा उच्च शिक्षित संकाय अनुभवी और अकादमिक दायित्वों के प्रति पूर्णतः जागरूक है जो भिन्न पृष्ठभूमि से आए विद्यार्थियों की जिज्ञासा पूर्ति हेतु सजग है। हमारे अनेक विद्यार्थी विभिन्न बहु-राष्ट्रीय कंपनियों जैसे टी.सी.एस. एक्साइड लाइफ एंड विप्रो आदि में कार्यरत हैं।

विभाग गैर-विज्ञान के छात्रों के लिए विशेष तौर पर बीए (प्रोग्राम) कंप्यूटर एप्लीकेशन का पाठ्यक्रम भी उपलब्ध कराता है।

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की समिति 'परिकलन' अपने पांच क्लबों के तत्त्वावधान में नियमित रूप से कोडिंग प्रतियोगिता, क्विज, वेब डिजाइनिंग और कई अन्य गतिविधियों का संचालन करती है। समिति द्वारा पेशेवर प्रकाशकों से नवीनतम विषयों पर बातचीत के साथ-साथ रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग आदि व्यावसायिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं।

विभाग के प्राध्यापक निम्नलिखित हैं ः-

1. **डॉ॰ (सुश्री) गीता अग्रवाल (प्रभारी)**
2. डॉ॰ (सुश्री) अर्पिता अग्रवाल
3. डॉ॰ (सुश्री) रविश शर्मा
4. डॉ॰ (सुश्री) वीनू भसीन
5. सुश्री प्रियंका गुप्ता**
6. डॉ॰ (सुश्री) अपर्णा दत्त**
7. सुश्री प्रीति लखानी#
8. सुश्री चारू पूरी#
9. सुश्री पूर्णिमा बिंदल#
10. सुश्री कीर्ति यादव#
11. श्री अक्षय चमोली#

अर्थशास्त्र विभाग

हमारी भौतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन और वितरण में सामाजिक विकल्प कैसे बनाए जाते हैं इसका अध्ययन अर्थशास्त्र के अंतर्गत किया जाता है। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कठोर और अमूर्त विश्लेषण के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करना है, जो आधुनिक सैद्धांतिक अर्थशास्त्र का मुख्य आधार है। ऑनर्स पाठ्यक्रम पढ़ने के बाद विद्यार्थी किसी भी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए अच्छी तरह से तैयार होंगे। अर्थशास्त्र में ऑनर्स की उपाधि सिविल सेवा, बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र एवं कार्पोरेट क्षेत्र में प्रवेश के लिए एक अच्छी पृष्ठभूमि प्रदान करता है। आज जहाँ बौद्धिक क्षेत्र में इस पाठ्यक्रम की माँग है वहीं दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत भी इसकी सबसे ज्यादा माँग रहती है।

विभाग के प्राध्यापक निम्नलिखित हैं ः-

1. डॉ० (सुश्री) चंद्रकांता गुप्ता
2. प्रो. अश्विनी महाजन
3. सुश्री पायल मलिक*
4. डॉ० (सुश्री) प्रतिभा अग्रवाल
5. श्री इंद्रनील चौधरी
6. सुश्री रिम्पी कौशल
7. डॉ० वरुण भूषण
8. डॉ० संगीता मंडल
9. **श्री अनिरुद्ध प्रसाद (प्रभारी)**
10. श्री विष्णु गुप्ता#
11. श्री अंकुश गर्ग#
12. श्री अक्षय कुमार#
13. सुश्री दीपिका कंदपाल#
14. श्री सृष्टी कसाना#
15. श्री ललित#

Department of English

"Literature adds to reality, it does not simply describe it. It enriches the necessary competencies that daily life requires and provides; and in this respect, it irrigates the deserts that our lives have already become." – *CS. Lewis*

The study of English Literature is a stimulating experience for our students. The course not only covers the intensive study of British Literature but is also an extensive journey into iconic writings from all over the world, written originally in English or translated into English. The students are encouraged to develop analytical and critical skills with an interdisciplinary approach. The students are also trained in literary theory, where they learn to read a text from various perspectives and theoretical groundings.

The Department of English also has a vibrant society called Eclectica. It conducts various workshops, international lectures and conferences, inter-college literary and creative events to provide its students with the necessary experience in writing, organising and presenting papers as well as creative outputs. They acquire necessary skills in their development both as literature students and as individuals ready to participate and take on the challenges of the contemporary world. The programme prepares the student for a career in mass communication, journalism, management, civil services, creative writing, theater and academics.

Faculty :

1. Ms. Renu Kapoor
2. Ms. Jyoti Kathpalia*
3. Ms. Arti Mathur
4. Dr. Urvashi Sabu
5. Ms. Nancy Khera
6. Dr. Mukesh Kumar Bairva
7. **Ms. Uma Gupta (In charge)**
8. Dr. Vandana Agarwal
9. Dr. Mona Goel #
10. Sh. Nitin Kumar #

11. Dr. Anish Kumar K. #
12. Dr. Pritika Nehra #
13. Ms. Lallianpuli Ralte #
14. Dr. Yamini Malhotra #
15. Dr. Reshma Tabassum #
16. Dr. Anubhuti Mishra #

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण अध्ययन विभाग पर्यावरण अध्ययन पर अनिवार्य क्रेडिट कोर कोर्स के शिक्षण में संलग्न है। विभाग कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त पर्यावरण संबंधी विभिन्न मुद्दों पर वृत्तचित्र (डॉक्युमेंट्री) दिखाता है और नियमित रूप से पर्यावरणीय महत्त्व के विभिन्न स्थलों जैसे कि संजय वन, यमुना जैव विविधता (बायो डाइवर्सिटी) पार्क, ओखला पक्षी विहार एवं डीयर पार्क के शैक्षणिक भ्रमण और सर्वे इत्यादि का आयोजन करता है। विभाग पृथ्वी दिवस, ओजोन दिवस, जल दिवस, विश्व आर्द्रभूमि दिवस जैसे पर्यावरण महत्व के विभिन्न दिनों का भी अवलोकन करता है। विभाग द्वारा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है।

विभाग के प्राध्यापक निम्नलिखित हैं :-

1. **डॉ॰ गौरव कुमार (प्रभारी)**
2. डॉ॰ रिचा अग्रवाल
3. डॉ॰ प्रदीप सिंह

हिंदी विभाग

महाविद्यालय में स्नातक हिंदी (विशेष) के साथ स्नातकोत्तर (एम.ए.) स्तर पर भी हिंदी के शिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। आने वाला समय भारतीय भाषाओं का है। अतः भाषा दक्षता वर्तमान की माँग है। हिंदी विभाग वर्ष भर काव्य प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, एवं विविध विषयों पर अनेक संगोष्ठियों का आयोजन करता है। इसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों की सर्वाधिक भागीदारी रहती है। राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन का अत्यधिक लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलता है। विभाग द्वारा हिंदी कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विभागीय समिति 'चिंतन' के द्वारा विद्यार्थियों हेतु समय-समय पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विद्यार्थियों के विचारों और अनुभूतियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति मिल सके इसके लिए हिंदी विभाग के सभी प्राध्यापक सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

विभाग के प्राध्यापक निम्नलिखित हैं :-

1. डॉ॰ वीणा
2. डॉ॰ अवनिजेश अवस्थी
3. डॉ॰ सुषमा चौधरी
4. डॉ॰ मनोज कुमार कैन
5. **डॉ॰ अरुण कुमार मिश्र (प्रभारी)**
6. डॉ॰ बन्ना राम मीना
7. डॉ॰ कपिल देव प्रसाद निषाद
8. डॉ॰ परमानंद शर्मा#
9. डॉ॰ वेद प्रकाश#
10. डॉ॰ चौन सिंह मीना#
11. डॉ॰ भारत पवार#
12. डॉ॰ संदीप कुमार रंजन#
13. श्री ऋषिकेश कुमार#
14. श्री नरेंद्र#
15. डॉ॰ अवंतिका सिंह#
16. डॉ॰ शीतल कुमारी#

इतिहास विभाग

"अगर आप आज को समझना चाहते हैं, तो आपको बीता हुआ कल खोजना होगा" – *पर्ल. एस. बक*

हम इतिहास के अध्यन-अध्यापन के माध्यम से विद्यार्थियों की समकालीन समाज की सामाजिक-सांस्कृतिक संवेदनशीलताओं को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे विद्यार्थियों ने मीडिया, रक्षा, शिक्षा, सिविल सेवाओं,

बहुराष्ट्रीय कंपनियों आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रें में सफलता प्राप्त की है। इन क्षेत्रों के अतिरिक्त इतिहास विषय शोध संस्थानों, पुरातत्व, संग्रहालयों, अभिलेखागारों, विरासत प्रबंधन, ऐतिहासिक पर्यटन इत्यादि क्षेत्रों में भी नए और उत्साहवर्धक अवसर प्रदान करता है।

हमारे दोनों, ऑनर्स और प्रोग्राम के कोर और डिसिप्लिन सेंट्रिक इलेक्टिव्स (डीएसई), विद्यार्थियों को प्राचीन काल से लेकर समसामयिक भारत और विश्व के इतिहास के विभिन्न पक्षों की व्यापक समझ प्रदान करते हैं। स्किल एनहांसमेंट कोर्सेज (एसईसी) विद्यार्थियों को विषय के व्यावहारिक और अग्रणी ज्ञान से संपृक्त करते हैं। कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त हमारे शैक्षणिक तरीकों में, प्रसिद्ध इतिहासकारों के व्याख्यान, पेपर प्रस्तुतियां, समूह चर्चाएँ, बहस, प्रश्नोत्तरी, विविध ऐतिहासिक परंपराओं के साहित्य का अध्ययन तथा विभिन्न स्मारकों, विरासत स्थलों और संग्रहालयों की नियमित यात्राएँ शामिल हैं। हमारे विभाग की संस्था 'धरोहर' विद्यार्थियों के कौशल के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक वर्ष अपने वार्षिकोत्सव 'अतीत' का आयोजन करती है।

विभाग के प्राध्यापक निम्नलिखित हैं ः-

1. सुश्री सरबानी कुमार
2. डॉ॰ विशाल चौहान
3. डॉ॰ चंद्रपाल सिंह
4. **डॉ॰ (सुश्री) रिमझिम शर्मा (प्रभारी)**
5. डॉ॰ अंकित अग्रवाल
6. श्री सुनील कुमार
7. डॉ॰ अवधेश कुमार झा**
8. डॉ॰ (सुश्री) सुषमा नेगी#
9. डॉ॰ कुंदन कुमार#

गणित विभाग

"सभी दर्शन किसी न किसी घटना के ज्ञान पर आधारित हैं, परंतु इस ज्ञान से लाभ प्राप्त करने के लिए गणितज्ञ होना आवश्यक है।" - *डैनियल बर्नौली*

पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को बीज गणित, विश्लेषण (एनालिसिस), विभिन्न समीकरणों, संख्या सिद्धांत, ज्यामिति, प्रायिकता और उनके संयोजन जैसे गणित के कुछ प्रमुख क्षेत्रों का पता लगाने में सक्षम बनाता है। पाठ्यक्रम के महत्वपूर्ण घटकों में से एक प्रयोगशाला आधृत है। यह विद्यार्थियों को गणित के अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी देता है, जो इस विषय के सबसे मजबूत और प्रेरक पहलुओं में से एक है। प्रयोगों के माध्यम से वे जानते हैं कि अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर, इंजीनियरिंग, दवा, कृषि, वास्तुकला, कला और आधुनिक ज्ञान के अन्य सभी क्षेत्रों में गणितीय तरीकों/मॉडल का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

कोर पेपर के अलावा बी.एससी. (प्रवीण) गणित में विषय विशिष्ट, क्षमता वृद्धि और कौशल विकास पत्र शामिल हैं। 'विषय विशिष्ट पत्र' पाठ्यक्रम के एक समूह से चुने जा सकते हैं। शिक्षण और शोध के अलावा इस कोर्स के माध्यम से गणित प्रशिक्षित विद्यार्थियों को कंप्यूटिंग, अर्थशास्त्र, वित्त, बैंकिंग, बाजार अनुसंधान विश्लेषण, अंतरिक्ष अध्ययन के क्षेत्र में अवसर प्रदान किए जाते हैं। संकाय में समर्पित और अनुभवी शिक्षक शामिल हैं।

विभाग के प्राध्यापक निम्नलिखित हैं ः-

1. सुश्री अनु कपूर
2. **सुश्री सावित्री रावत (प्रभारी)**
3. प्रो॰ गोपाल दत्त
4. डॉ॰ गीता कालूचा
5. श्री रवि कुमार#
6. डॉ॰ भावना कोहली#

7. डॉ॰ (सुश्री) मुक्ता जैन#
8. श्री मनोज कुमार#
9. डॉ॰ विनोद कुमार#
10. सुश्री निशा#
11. सुश्री पूनम जोरवाल#
12. सुश्री रुपलीन कौर आहुजा#
13. रवि कुमार सागर#

शारीरिक शिक्षा विभाग

यह विभाग शारीरिक शिक्षा और खेल गतिविधियों से संबंधित है। यह विभिन्न अन्तःमहाविद्यालय, अन्तर-महाविद्यालय और अन्तर-विश्वविद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में न केवल विद्यार्थी भागीदारी सुनिश्चित करता है, बल्कि उन्हें सम्बद्ध क्षेत्रों में सक्षम भी बनाता है। विभाग बी.ए. प्रोग्राम में एक अनुशासन विशिष्ट कोर पाठ्यक्रम के रूप में शारीरिक शिक्षण प्रदान करता है। यह विभिन्न खेलों के रूप में अन्तःमहाविद्यालय एवं अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिताएँ भी आयोजित करता है तथा विद्यार्थियों को इसमें भाग लेने हेतु सक्षम बनाता है।

विभाग के प्राध्यापक हैं ः-

1. **डॉ॰ पवन कुमार (प्रभारी)**
2. डॉ॰ मुकेश

राजनीति शास्त्र विभाग

राजनीति शास्त्र का संबंध राजनीति के सैद्धांतिक व व्यावहारिक पक्ष के अध्ययन से है जहाँ राजनीतिक प्रणालियों और राजनीतिक व्यवहार का वर्णन और विश्लेषण किया जाता है। इसमें राजनीतिक दर्शन और सिद्धान्त, संविधानों एवं राजनीतिक प्रणालियों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संगठनों व विदेश नीतियों का अध्ययन भी शामिल है। सी.बी.सी.एस. / एल.ओ.सी.एफ. के आने के बाद राजनीति शास्त्र में कई प्रासंगिक व उपयोगी विषयों जैसे 'आपके कानून, आपके अधिकार', जनमत और सर्वेक्षण', 'वैधानिक व्यवहार एवं प्रक्रियाएँ', 'शांति एवं संघर्ष निस्तारण' आदि को सम्मिलित कर इसे प्रशासनिक सेवाओं, कानून, मीडिया, नीति अध्ययन, व्यवस्थापन और शैक्षणिक क्षेत्र में आगे अपना करियर चुनने वाले विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बना दिया है।

विभाग के विद्यार्थियों द्वारा निर्वाचित संगठन 'संवाद' वर्ष भर विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए प्रतियोगिताएँ और संगोष्ठियों का आयोजन करता है (इस विषय पर विस्तारपूर्वक 'Political Science Society, PGDAV College' फेसबुक पेज पर पढ़ सकते हैं।)

विभाग में निम्नलिखित प्राध्यापक हैं ः-

1. डॉ॰ पिंकी पुनिया
2. डॉ॰ अभय प्रसाद सिंह
3. **डॉ॰ दुर्योधन नाहक (प्रभारी)**
4. डॉ॰ हीरा सिंह बिष्ट#
5. श्री दिनेश कुमार#
6. डॉ॰ युवराज कुमार#
7. श्री छोटे लाल सिंह#
8. श्री प्रभात कुमार श्रीवास्तव#
9. श्री रवीन्द्र कुमार मीना#
10. सुश्री नेहा किशोर बंका#
11. सुश्री अनामिका#
12. श्री भानु कुमार#
13. डॉ॰ हरिश चन्द्रा#
14. जगन्नाथ कुमार कश्यप#

संस्कृत विभाग

संस्कृत सिर्फ शास्त्रीय भाषा नहीं है, वर्तमान में एक विषय के रूप में भी इसका अध्ययन किया जा सकता है। वर्तमान चयन आधारित आकलन पद्धति (सीबीसीएस) पाठ्यक्रम इन दोनों पहलुओं को ध्यान में रखता है। यह

पाठ्यक्रम प्राचीन भारतीय ज्ञान और समृद्ध बौद्धिक परंपराओं की समझ के लिए एक तरह से प्रवेश द्वार है। पाठ्यक्रम भाषा कौशल में सुधार करने के लिए तैयार किया गया है तथा विद्यार्थियों को बेहतर संचार एवं रचनात्मक क्षमताओं से युक्त करता है।

जो विद्यार्थी सामान्य ऐच्छिक और कौशल संवर्द्धक पाठ्यक्रम (सभी ऑनर्स और कार्यक्रम पाठ्यक्रमों के लिए) के रूप में संस्कृत को लेना चाहते हैं उन्हें भाषा, साहित्य, वैदिक गणित और खगोल विज्ञान, वाद-विवाद विज्ञान, तर्क और सौंदर्यशास्त्र जैसे विषयों में लाभ मिलेगा। इससे विद्यार्थियों को रोजगार में भी व्यापक अवसर प्राप्त होगा।

विभाग में निम्नलिखित प्राध्यापक हैं ः-

1. **डॉ॰ दिलीप कुमार झा (प्रभारी)**
2. डॉ॰ गिरिधर गोपाल शर्मा
3. डॉ॰ प्रमिता मिश्रा#
4. श्री नागेंद्र कुमार#
5. श्री रोहित कुमार#
6. डॉ॰ वंदना रानी#

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी केवल संख्या आधारित-सामग्री को एकत्र करने वाला उपकरण नहीं है बल्कि एकत्रित संख्यात्मक सामग्री से वैध संदर्भों को सहेजने, विश्लेषण करने और उन्हें मूर्त रूप प्रदान करने के लिए तकनीक विकसित करने का माध्यम भी है। इसके अलावा कक्षा में पढ़ाए गए सिद्धांत को प्रमाणित करने के लिए विद्यार्थी विभिन्न प्रोग्रामिंग भाषाओं और सॉफ्टवेयर पैकेजों का उपयोग करके प्रयोगशाला में कई व्यावहारिक कार्य करते हैं। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यवसाय, उद्योग, अभिनव विज्ञान के साथ-साथ वित्त एवं व्यावसायिक आंकड़ों में आगे के अध्ययन और करियर हेतु तैयार भी करता है। इसके अतिरिक्त सांख्यिकी में स्नातक भारतीय आर्थिक सेवा और नागरिक सेवाओं में प्रवेश कर सकते हैं। एक सांख्यिकीविद के कार्य को अगले दशक के ''सपनों की नौकरी'' के रूप में देखा जाता है। सांख्यिकी विभाग में बहुत ही प्रतिष्ठित संकाय सदस्य हैं जिनके पास शिक्षण और अनुसंधान संबंधी विविध अनुभव हैं। सांख्यिकी विभाग के पास एक संस्था 'सांख्यिकी' भी है जो प्रख्यात सांख्यिकीविदों के साथ प्रस्तुतियों, परियोजनाओं और संवादात्मक सत्र आदि गतिविधियों का संचालन करती है।

विभाग के प्राध्यापक निम्नलिखित हैं ः-

1. डॉ॰ रितु जैन
2. डॉ॰ (सुश्री) सरिता बंसल
3. डॉ॰ इंद्रजीत अरोड़ा
4. सुश्री जसविंदर गोस्वामी
5. डॉ॰ (सुश्री) अपर्णा पांडे
6. सुश्री वरुणा पांडे
7. प्रो॰ मिथिलेश कुमार झा
8. सुश्री नीतू जैन
9. श्री संजय कुमार सिंह
10. डॉ॰ दरविंदर कुमार (प्रभारी)
11. डॉ॰ धर्मेन्द्र कुमार#
12. सुश्री कोमल#

*** (छुट्टी पर)**
**** (अस्थायी)**
 # (तदर्थ)

शैक्षणिक और अन्य सहसंरचनाएँ

पुस्तकालय

पीजीडीएवी महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों से संबंधित एक लाख से अधिक पुस्तकों का बेहद समृद्ध संग्रह है। छात्रों और शिक्षकों के पढ़ने के लिए पुस्तकालय में लगभग 65 पत्रिकाएं और 17 समाचार पत्र उपलब्ध हैं। हम अपने उपयोगकर्ताओं के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करते हैं, जिससे कि वे पढ़ाई करते समय एकाग्रचित होकर लंबे समय तक पढ़ सकें। पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत, वातानुकूलित, वाई-फाई सेवाओं और एक अनुकूल और आनंददायक पठन का वातावरण सुनिश्चित करने के लिए हाई टेक सीसीटीवी निगरानी युक्त है। पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को सदस्यता, संचलन, संदर्भ, ओपेक, बुक बैंक, आर्टिकल अलर्ट और रिप्रोग्राफिक सर्विसेज जैसी विभिन्न सेवाएं भी प्रदान करता है। पुस्तकालय अपने पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के लिए एन-लिस्ट और दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय से संबंधित ई-संसाधन दोनों ही सेवाओं की पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से निःशुल्क पहुँच प्रदान करता है। कॉलेज की फैकल्टी और परास्नातक छात्रों को रिमोट लॉग की सुविधा प्रदान की जाती है।

23 टर्मिनलों के साथ एक नव विकसित ई-पुस्तकालय कॉलेज के छात्रों को ई-पुस्तकों, ई-पत्रिकाओं और अन्य शैक्षणिक संसाधनों तक मुफ्त पहुंच और उनके डाउनलोडिंग की सुविधा प्रदान करता है। पुस्तकालय ने संदर्भ सेक्शन को संदर्भ सह-सम्मेलन कक्ष में बदल दिया है। यह सेक्शन आरामदायक फर्नीचर और संचालन के लिए नवीनतम आईसीटी सुविधाओं से संपन्न है और इसमें ओरिएंटेशन कार्यक्रम, अल्पकालिक पाठ्यक्रम और अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ भी संचालित की जाती हैं।

पुस्तकालय ओरिएंटेशन कार्यक्रम, मुक्त शैक्षिक संसाधनों के बारे में जागरूकता एवं पुस्तक मेलों का आयोजन हमारे पुस्तकालय की एक नियमित विशेषता है। पुस्तकालय सोमवार से शनिवार सभी कार्य दिवसों में सुबह 9.00 से सायं 5.00 तक कॉलेज के सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए खुला रहता है। नामांकन के समय प्रत्येक छात्र को पुस्तकालय सदस्यता की पेशकश की जाती है। कॉलेज आईडी कार्ड छात्रों को पुस्तकालय के रिकॉर्ड में पंजीकृत होने के बाद प्रदान किया जाता है।

पुस्तकालय नियम

- शुल्क के भुगतान के बाद सभी विद्यार्थियों को पुस्तकालय द्वारा महाविद्यालय का पहचान पत्र जारी किया जाता है। विद्यार्थियों को अपनी शुल्क रसीद दिखाकर पुस्तकालय में स्वयं को पंजीकृत करवाना आवश्यक है।
- पंजीकृत होने के उपरांत पुस्तकालय द्वारा सदस्यता के साथ टिकट प्रदान किए जाते हैं।
- जब तक विद्यार्थी महाविद्यालय में अध्ययनरत है तब तक उसकी पुस्तकालय सदस्यता वैध है।
- स्नातक का प्रत्येक विद्यार्थी अध्ययन हेतु चौदह दिनों की अवधि के लिए एक समय में चार किताबें जारी करवाने का हकदार है।
- स्नातकोत्तर का प्रत्येक विद्यार्थी अध्ययन हेतु चौदह दिनों की अवधि के लिए एक समय में पाँच किताबें जारी करवाने का हकदार है।
- आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी विद्यार्थियों को उचित प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन करने के बाद बुक बैंक अनुभाग (कोई अतिरिक्त लागत नहीं) द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में पाँच पुस्तकें जारी की जाती हैं।
- जो विद्यार्थी देय तिथि के बाद किताबें वापस करते हैं, वे विलंब भुगतान हेतु स्वयं उत्तरदायी होंगे।
- पुस्तकालय में संदर्भ अनुभाग में संग्रहित संदर्भ स्रोत और पुस्तकें जारी नहीं की जाएंगी, वे केवल पुस्तकालय में पढ़ने के लिए हैं।

- छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे पुस्तकालय संसाधनों का सावधानी पूर्वक इस्तेमाल करें।
- पुस्तकालय में मोबाइल फोन का उपयोग सख्ती से प्रतिबंधित है।

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय सेवाएँ

कॉलेज पुस्तकालय पुस्तक बैंक सुविधा के माध्यम से जरूरतमंद छात्रों को सहायता प्रदान करता है। जरूरतमंद और मेधावी छात्र अपने पाठ्यक्रम से संबंधित पांच पुस्तकें पूरे सेमेस्टर के लिए बिना कोई अतिरिक्त शुल्क दिए पढ़ने के लिए ले जा सकते हैं। पुस्तकालय विभिन्न सहायक उपकरणों और प्रौद्योगिकी माध्यमों से अपने विकलांग छात्रों की सहायता करता है। हमारे पास ब्रेल पुस्तकालय के उपयोग हेतु एक सुविधा संपन्न पुस्तकालय है जिसे नेत्रहीन छात्र विभिन्न संसाधनों को पढ़ने और रिकॉर्ड करने के लिए उपयोग में लाते हैं। छात्रों को विभिन्न साफ्टवेयर जैसे जावा (JAWA) और डिवाइस, एंजेल डेजी रीडर (Angel Daisy Reader), एमपी 3 रिकॉर्डर, नेट बुक्स, जूम एक्स इंस्टेंट टेक्स्ट रीडर, लेक्स पोर्टेबल कैमरा आदि के माध्यम से सीखने और पढ़ने में सहायता की जाती है।

कम्प्यूटर हब

महावविद्यालय में 'दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली' तक पहुँच के साथ पूरी तरह से कार्यात्मक और आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित इंटरनेट सुविधा तथा कम्प्यूटर केंद्र है। सभी में लगभग 220 कम्प्यूटरों के साथ 5 लैब हैं और एक सांख्यिकी लैब है। सभी कम्प्यूटर ईथर लेन पर हैं और कैम्पस वाई-फाई से युक्त है। विषय आवश्यकतों के लिए, विभिन्न लाइसेंस के साथ-साथ ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और लिनक्स, ओरेकल, ऐंड्राइड प्लेटफॉर्म, MySQL जैसे प्लेटफॉर्म हमारे विद्यार्थियों को नवीनतम प्रौद्योगिकी प्रदान करते हैं।

संगोष्ठी कक्ष

महाविद्यालय में अकादमिक गतिविधियों के लिए पूर्णतः सुसज्जित, वातानुकूलित और ध्वनि संयोजन की दृष्टि से उत्कृष्ट दो संगोष्ठी कक्ष हैं। संगोष्ठी कक्ष व्याख्यान, वाद-विवाद, चर्चा और कार्यशालाओं के लिए उपयुक्त स्थान है जहाँ प्रतिष्ठित वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है।

कैंटीन

महाविद्यालय में एक विशाल और अच्छी तरह से सुसज्जित कैंटीन है, जहाँ उचित दरों पर विभिन्न प्रकार के ताजा और स्वच्छता के साथ तैयार भोजन मिलता है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत सबसे बड़ी कैंटीनों में से एक है।

बैंक

महाविद्यालय में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है। इसका समय 10.00 बजे से शाम 4.45 बजे तक है।

चिकित्सा सुविधाएँ

महाविद्यालय परिसर में स्थित चिकित्सा कक्ष प्राथमिक चिकित्सा सहायता प्रदान करता है। डॉ॰ नीना पॉल विशेष समय के लिए तथा एक नर्स पूरे दिन उपलब्ध रहती हैं। चिकित्सा कक्ष में छात्राओं की सुविधाओं हेतु एक वेंडिंग मशीन भी है।

अकादमिक समितियाँ

महाविद्यालय में विभागों की अनेक अकादमिक समितियाँ हैं, जो पूरे वर्ष संगोष्ठी, कार्यशाला, वाद-विवाद, व्याख्यान, संकाय संवर्धन कार्यक्रम (FDP) इत्यादि आयोजित करती हैं। महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में हर साल मेधावी

विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों के अंतर्गत उत्कृष्ट परिणाम हेतु शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। महाविद्यालय द्वारा 'डॉ॰ बी॰ आर॰ अंबेडकर बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड' भी प्रदान किया जाता है।

आई॰सी॰सी॰ (आंतरिक शिकायत समिति)

यौन उत्पीड़न के मामलों की निगरानी हेतु महाविद्यालय द्वारा आंतरिक शिकायत समिति (ICC) का विधिवत गठन किया गया है, जिसमें संकाय सदस्य, नॉन टीचिंग स्टाफ, विद्यार्थी और एक वकील शामिल हैं। सदस्यों के नाम और संपर्क विवरण महाविद्यालय की वेबसाइट और परिसर में प्रमुख स्थानों पर उपलब्ध हैं। समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं :-

1. सी.ए. सीमा अग्रवाल	(वाणिज्य विभाग)	(संयोजिका)	9891956452
2. डॉ॰ पिंकी पुनिया	(राजनीति विज्ञान विभाग)	संकाय सदस्य	9871482335
3. डॉ॰ राकेश कुमार	(वाणिज्य विभाग)	संकाय सदस्य	9968166693
4. सुश्री सोनिया	(नॉन टीचिंग)	स्टाफ सदस्य	9818909286
5. श्री मनोज कुमार	(नॉन टीचिंग)	स्टाफ सदस्य	9716973725
6. सुश्री गुरलीन कौर	(बी.कॉम ऑनर्स, द्वितीय वर्ष)	विद्यार्थी सदस्य	9654264164
7. सुश्री रितिका यादव	(बी.ए. ऑनर्स, राजनीति विज्ञान, द्वितीय वर्ष)	विद्यार्थी सदस्य	9654264164
8. श्री दर्पण भल्ला	(बी.ए. ऑनर्स, राजनीति विज्ञान, द्वितीय वर्ष)	विद्यार्थी सदस्य	8368627902
9. सुश्री नियति शर्मा	वकील	आंतरिक सदस्य	8587027428

आई.क्यू.ए.सी. (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ)

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) ने स्वयं को सभी कालेजों और विश्वविद्यालयों के मध्य एक उच्च सक्षम निकाय के रूप में स्थापित किया है।

पीजीडीएवी महाविद्यालय कला, मानविकी, वाणिज्य, समाज विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान जैसी शाखाओं की दृष्टि से अग्रगण्य विशिष्ट शिक्षण संस्थान है। महाविद्यालय को प्रतिष्ठित एनएएसी (NAAC) ग्रेडिंग प्राप्त है। आज समाज के साथ-साथ नियोक्ताओं ने भी शिक्षा, सुविधाओं, सामाजिक जिम्मेदारी, समावेश और रोजगार के लिए उच्च रेटिंग की गुणवत्ता को स्वीकार किया है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) महाविद्यालय का एक वैधानिक रूप से गठित निकाय है जिसके अंतर्गत समस्त विभागों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसकी स्थापना के बाद से यह अपने सभी प्रयासों में उत्कृष्टता प्रदान करने हेतु अकादमिक, प्रशासनिक और वित्तीय क्षेत्रों में गुणवत्ता विकास, सुधार जैसे लक्ष्यों को लेकर सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में आई.क्यू.ए.सी. को संस्था की प्रणाली और प्रक्रियाओं के एक अभिन्न आंतरिक अंग के रूप में बनाया गया है। आई.क्यू.ए.सी. का मुख्य कार्य हमारे महाविद्यालय के शैक्षणिक वर्ष के प्रदर्शन के प्रति जागरूक, सुसंगत और उत्प्रेरक निर्माण के लिए एक मजबूत और टिकाऊ प्रणाली विकसित करना है। यह उन गतिविधियों को भी संचालित करता है जो विद्यार्थियों, शिक्षकों के साथ-साथ पूरे महाविद्यालय के प्रदर्शन को बढ़ाने की कोशिश करते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास पर जोर देने के साथ, आईक्यूएसी ने अकादमिक उत्कृष्टता के मानकों के समग्र सुधार पर विशेष ध्यान दिया है। आईक्यूएसी के पास नियमित कार्यक्रमों से भरा एक कैलेंडर है जो संस्था के सभी क्षेत्रों की गतिविधियों में गुणवत्ता प्रबंधन के प्रवर्तक और सुगमकर्ता के रूप में कार्य करता है। विशेष रूप से, IQAC लगातार निम्नलिखित दिशाओं में कार्यरत है :-

1. विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करना।
2. महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार करना।
3. शैक्षणिक शोध पर विशेष ध्यान देना।
4. सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर ज्ञानक्षेत्र का विकास करना।
5. समग्र शैक्षणिक वातावरण में सुधार लाना।
6. कुशल और पारदर्शी प्रशासन के लिए उचित प्रणाली को आगे बढ़ाना।
7. सी.एस.आर. (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) गतिविधियों में शामिल होकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना।
8. रोजगारोन्मुख अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू करना।
9. अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की रोजगारपरक क्षमता में वृद्धि करना।
10. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक व्यापक आधारभूत संरचना का निर्माण।

आई.क्यू.ए.सी. इनके साथ और भी अनेक गतिविधियों को ध्यान में रखकर अनेक कार्य प्रस्तावित करता है। मुख्य रूप से इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सर्वोत्तम और सरल तरीके से सेवा प्रदान करना है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान आई.क्यू.ए.सी. ने संकाय सदस्यों के लिए संकाय संवर्धन कार्यक्रमों हेतु एवं विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों में कई अल्पकालिक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों की सुविधा प्रदान की है। IQAC ने कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के प्रोन्नति को सुविधाजनक बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

महिला विकास प्रकोष्ठ

जब सामाजिक मुद्दों की बात आती है तो पीजीडीएवी महाविद्यालय इस संदर्भ में हमेशा सबसे आगे रहता है। पीजीडीएवी महाविद्यालय में महिला विकास प्रकोष्ठ एक सक्रिय निकाय है जो यह मानता है कि विद्यार्थी परिवर्तन के कारक हैं। यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों और कर्मचारियों को समान रूप से प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाकर लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। महिलाओं के अधिकारों, शारीरिक और मानसिक कल्याण, सुरक्षा, कानूनी अधिकारों से संबंधित गतिविधियाँ समय-समय पर प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित की जाती हैं। इसी प्रकार लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, महिलाओं को सशक्त बनाने और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में बदलाव लाने के लिए प्रभावशाली कार्यक्रम और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लैंगिक संबंधों की समझ विकसित करने के लिए विद्यार्थियों को बहस, चर्चा और संवाद में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि उन्हें पितृसत्तात्मक लैंगिक रूढ़ियों की पहचान हो जो सांस्कृतिक रूप से हमारी सामाजिक संरचना में अंतर्निहित हैं और वे ऐसी रुढ़ियों से दूर हटने का प्रयास कर सकें। अतीत में आयोजित कुछ प्रभावी कार्यक्रमों में छात्राओं के लिए एक आत्मरक्षा कार्यशाला, रंगमंच के प्रदर्शन में लैंगिक असमानता, 21 वीं शताब्दी की इंडियन वर्किंग वूमन पर पैनल चर्चा आदि महत्त्पूर्ण हैं। डब्ल्यू.डी.सी. महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता की दिशा में कार्य जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

काइजन ः करियर परामर्श क्लब

पीजीडीएवी कॉलेज के कैरियर काउंसलिंग क्लब (काइजेन) का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कैरियर के उभरते अवसर के प्रति जागरूक करना, उन्हें अपने लिए सबसे उपयुक्त कैरियर की पहचान करने में सहायता करना और कैरियर चयन में उनकी रचनात्मकता को मजबूत और प्रोत्साहित करना है। क्लब छात्रों को विभिन्न सूचनात्मक,

कैरियर-ओरिएंटेड सत्र, छात्रों की दक्षता और आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए पैनल चर्चा, शैक्षिक और व्यावसायिक अन्वेषण और करियर योजना आदि में समर्पित करता है।

इसकी विस्तृत जानकारी हमारे फेसबुक पेज और इंस्टाग्राम हैंडल के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। फेसबुक आईडी ः Career Counselling Club & PGDAV College • इंस्टाग्राम हैंडल ः kaizenofficialpgdav

नियुक्ति प्रकोष्ठ

प्लेसमेंट सेल रोजगार के अवसर देने वालों और हमारे कॉलेज से प्रत्येक वर्ष निकलने वाली नई प्रतिभाओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है। हम अपने मोटो 'आपकी महत्त्वाकांक्षा, हमारा उद्देश्य' के साथ अपने छात्रों के लिए अलग-अलग अवसर, संसाधन, कौशल और उनके ज्ञान के स्तर को अधिक बढ़ाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। इसके साथ-साथ हम कार्पोरेट क्षेत्र में भी उनके बेहतर लाभ उठाने के लिए आवश्यक ज्ञान देने के लिए तत्पर हैं। हमारे निरंतर प्रयासों के कारण प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय अधिकतर छात्रों का एक पसंदीदा स्थान है।

हमारे छात्रों को रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त हों और वे ज्यादा से ज्यादा सफल हो सकें इसके लिए हम अपने नियोक्ताओं के साथ अपने संबंधों को अधिक महत्त्व देते हैं। पिछले सत्रों में प्लेसमेंट और इंटर्नशिप के लिए हमें जबरदस्त अवसर प्राप्त हुए हैं तथा हमारा लक्ष्य है कि आगामी सत्रों में इन अवसरों को और अधिक बढ़ाएं।

हमारे परिसर से 120 से अधिक कंपनियों ने भर्ती किया गया है, जिसमें 140 से अधिक छात्रों को प्रसिद्ध कंपनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त हुए। इनमें से कुछ प्रमुख रिक्रूटर्स हैं - डेलॉइट, ईवाई, डीई शॉ ग्रुप, जस्टडायल, अपग्रेड, बैंक ऑफ अमेरिका, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, अनएकेडमी, चेग, एचसीएल, वीवो, प्यूमा आदि। इस सत्र में उच्चतम पैकेज 23 लाख प्रतिवर्ष तक गया और औसत पैकेज 5.86 लाख प्रतिवर्ष था। उच्चतम स्टाइपेंड 1.25 लाख रुपये प्रति माह और औसत स्टाइपेंड 8,000 रुपये प्रति माह रहा।

छात्रों के सर्वांगीण कल्याण के लिए हमारा प्रकोष्ठ उनकी आत्मवृत्त सुधारने का कार्य भी करता है, बीवाईपीएल छात्रवृत्ति के तहत प्रत्येक चयनित छात्र को 30000 रुपये का ऑफर देता है और 'हिअर फ्रॉम दी एलुमनी' ब्लॉग से उनको परिपक्व बनाता है, जहाँ वे कॉलेज के पुराने सफल छात्रों के अनुभवों को पढ़ सकते हैं। छात्रों को उत्साहित करने के लिए कॉर्पोरेट जगत की झलक दिखाने वाले वेबिनार और इससे संबंधित समारोहों का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है। IQAC के सहयोग से सेल ने पहली बार 12 दिनों के करियर रेडीनेस बूट कैंप का आयोजन किया। यह एक सर्टिफिकेट कोर्स था जिसमें हर कौशल की बुनियादी बातें शामिल थी, जो छात्रों को अपने कैरियर को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक हैं। प्लेसमेंट सेल भी अपने मासिक ब्लॉग 'कार्पोरेट कैटना' और मासिक समाचार पत्र के माध्यम से छात्रों की मदद करता है और उन्हें पेशेवर विषयों पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कराता है।

समान अवसर प्रकोष्ठ और सक्षम इकाई

महाविद्यालय में एससी, एसटी, ओबीसी, पीडब्ल्यूडी एवं अन्य श्रेणियों के विद्यार्थियों से संबंधित मुद्दों पर इक्वल ऑपर्चुनिटी सेल विशेष ध्यान देती है। मुख्य तौर पर इसका कार्य महाविद्यालय के अकादमिक, बौद्धिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में पूरी तरह से भाग लेने में विद्यार्थियों की सहायता करना और उन्हें संबल प्रदान करना है।

महाविद्यालय की सक्षम इकाई 'स्वाश्रित' दिव्यांग विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। महाविद्यालय में एक समावेशी आधारभूत संरचना है। यहाँ दो लिफ्ट और व्हील चेयर की सुविधा भी उपलब्ध है। परिसर के किसी भी भाग में बिना बांधा के पहुँचा जा सकता है। यह प्रकोष्ठ विभिन्न सहायक उपकरणों और सॉफ्टवेयर के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके अकादमिक अनुपालन में सहायता करता है। महाविद्यालय के पुस्तकालय में निरूशक्त विद्यार्थियों

के लिए पाँच कार्यस्थलों के साथ एक समर्पित प्रयोगशाला है। शैक्षणिक और प्रेरक वार्ता, पीडब्ल्यूडी प्रतिभा विस्तार कार्यक्रम, करियर परामर्श और विभिन्न सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करना प्रकोष्ठ की एक नियमित विशेषता है। प्रकोष्ठ द्वारा शैक्षणिक भ्रमण भी आयोजित किया जाता है, जैसे राष्ट्रीय संग्रहालय टेक्टाइल गैलरी 'अनुभव' की यात्रा।

एस.सी., एस.टी. सेल और ओबीसी प्रकोष्ठ

मार्गदर्शन, परामर्श तथा वित्तीय सहायता के माध्यम से विद्यार्थियों के हितों की देखभाल हेतु महाविद्यालय में एससी, एसटी और ओबीसी प्रकोष्ठ हैं। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए एक सर्व समावेशी वातावरण प्रदान करना है।

नॉर्थ ईस्ट सेल

महाविद्यालय ने उत्तर-पूर्वी राज्यों के विद्यार्थियों के हितों का ध्यान रखते हुए संकाय सदस्यों और विद्यार्थी प्रतिनिधियों के साथ एक नॉर्थ ईस्ट सेल का गठन किया है। नॉर्थ ईस्ट ने गत सत्र में प्रवेश के समय एक हेल्प डेस्क का आयोजन किया तथा ऑरिएंटेशन कार्यक्रम के साथ शैक्षिक व्याख्यान और 'विरासत' नामक बहुप्रतीक्षित सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किया। यह सेल निरंतर सक्रिय है, ताकि विद्यार्थियों को शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के साथ ही महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में खेल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ में पूरी तरह से भाग लेने में सक्षम बना सके।

हाइपरियन : सांस्कृतिक समिति

'हाइपरियन' पीजीडीएवी महाविद्यालय की अत्यंत सक्रिय सांस्कृतिक संस्था जो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की खोज करने और उन्हें उचित मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रयोजन के लिए यह संस्था विभिन्न अन्तःमहाविद्यालयी और अंतर-विश्वविद्यालयी आयोजनों में पूरे वर्ष कार्यरत रहती है। हाइपरियन में कला, संस्कृति और साहित्य को समर्पित विभिन्न इकाइयाँ शामिल हैं। हमारे विद्यार्थी विश्वविद्यालय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा को साबित कर रहे हैं और महाविद्यालय की प्रसिद्धि को बढ़ाते हुए वे

स्वयं भी जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। सत्र 2021-22 पी.जी.डी.ए.वी. के लिए एक अत्यंत सफल सांस्कृतिक सत्र रहा है। इस दौरान हमारी सांस्कृतिक संस्था ने देश भर में इस सत्र के दौरान विभिन्न आई.आई.एम., आई.आई.टी. और दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों में 130 से अधिक पुरस्कार और उपलब्धियां हासिल की है।

कोरोना महामारी के बावजूद भी हाइपरियन ने एक ऑनलाइन इंट्रा-महाविद्यालय इवेंट के साथ सत्र की शुरुआत की, जिसमें 24 प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के द्वितीय और तृतीय वर्ष के सैकड़ों विद्यार्थी सम्मिलित हुए। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने हेतु 'एक्सप्लोरेंजा' वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाता है।

हाइपरियन द्वारा 25 जनवरी, 2022 को मतदाता दिवस के अवसर पर पब्लिक स्पीकिंग और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं और विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के फिर से ऑफलाइन मोड में खुलने के बाद कॉलेज का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव आगाज-22 दो दिनों के लिए मिश्रित मोड में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसका थीम था- 'स्पंदन'।

हाइपरियन में निम्नलिखित उप-समितियाँ होती हैं, रुचि रखने वाले विद्यार्थी इनमें से किसी से भी जुड़ सकते हैं :-

1. **चाणक्य ः बौद्धिक सोसाइटी**
   (क) ग्रे मैटर – वाद-विवाद सोसाइटी
   (ख) बजर – क्विज सोसायटी
   (ग) काफिया – कविता और रचनात्मक लेखन सोसाइटी
   (घ) स्पेक्ट्रम – एंकरिंग सोसाइटी
   (ड.) पढ़न्तु – बुक एप्रिसिएशन क्लब
2. नृत्य सोसायटी
   (क) डाइवर्सिटी – पश्चिमी नृत्य
   (ख) नटराज – भारतीय नृत्य
   (ग) जलसा – लोक नृत्य
3. रुद्र – नुक्कड़ नाटक सोसाइटी
4. नवरंग – रंगमंच और फिल्म सोसाइटी
5. रागा – भारतीय शास्त्रीय संगीत
6. कॉनेन्ड्रम – पश्चिमी संगीत
7. इंप्रेशंस – ललित कला सोसाइटी
8. आईरिस – फोटोग्राफी सोसायटी
9. रैप-बीट्स – द हिप हॉप म्यूजिक सोसायटी
10. टेक्विज – आई.टी. सोसाइटी
11. काएरा – फैशन समिति

महाविद्यालयी गतिविधियाँ

खेल

'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।'

महाविद्यालय विद्यार्थियों को निम्नलिखित खेल गतिविधियों में भाग लेने की सुविधा प्रदान करता है ः-

1. एथलेटिक्स
2. हैंडबाल
3. बैडमिंटन
4. हॉकी
5. बॉल बैडमिंटन
6. जूडो
7. बास्केटबाल
8. पावर लिफ्टिंग
9. बॉडी बिल्डिंग
10. टेबल टेनिस
11. मुक्केबाजी
12. तायक्वोंन्डो
13. शतरंज
14. वॉलीबाल
15. क्रिकेट
16. भारोत्तोलन
17. फुटबॉल
18. योग
19. तैराकी

फिटनेस सेंटर-सह-मानव प्रदर्शन प्रयोगशाला

फिटनेस सेंटर-सह-मानव प्रदर्शन प्रयोगशाला महाविद्यालय में पूरी तरह कार्यशील है। विद्यार्थी और कर्मचारी दोनों निम्न सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं ः-

स्वस्थ रहने का प्रशिक्षण; फिटनेस ट्रेनिंग; वेट ट्रेनिंग; डंबल के साथ व्यायाम; केटलबेल्स के साथ व्यायाम; थेरा बैंड के साथ व्यायाम; विशेष लचीलापन व्यायाम; स्टेप एरोबिक्स; वेट एरोबिक्स; फ्लोर एरोबिक्स; सर्किट प्रशिक्षण; रस्सी कूदना; पावर योग; ध्यान; प्राणायाम; आदि।

व्यायामशाला में उपलब्ध सुविधाएँ ः कार्डियो रैसपाइरेटरी इंडयौरेंस - (क) ट्रेडमिल (ख) एलिपटीकल ट्रेनर (ग) बायसिकल एर्गोमीटर; लेग स्ट्रेन्थ आकलन; बैक स्ट्रेन्थ आकलन; ग्रिप स्ट्रेन्थ आकलन; ब्रेथ होल्डिंग केपेसिटी; बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई); शारीरिक वसा विश्लेषण*; वाइटल केपेसिटी*; पीक फ्लो आकलन*; आदि।

महाविद्यालय में समय-समय पर एरोबिक्स, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, क्रिकेट और योग के विशेष कोचिंग शिविर आयोजित किए जाते हैं। पीजीडीएवी कॉलेज का खेल जगत में महत्त्वपूर्ण नाम है। कॉलेज के पूर्व छात्रों के बीच से अनेक विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी निकले हैं। हमारे छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेलों में अपनी प्रतिभा

का परिचय देकर जीत हासिल की और ख्याति प्राप्त की। समय-समय पर यहाँ एरोबिक्स, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, क्रिकेट और योग से जुड़े विशेष ट्रेनिंग कैंप आयोजित किये जाते हैं। विद्यार्थियों और कर्मचारी सदस्यों के लिए अन्तःमहाविद्यालय और अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। महाविद्यालय इस बात का भी ध्यान रखता है कि दिव्यांग विद्यार्थी खेलों से वंचित न हो जाएं। अतः उनके लिए भी विशेष खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

वार्षिक खेल दिवस विभाग के लिए एक बड़ा उत्सव है, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए समान रूप से प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। विभाग ने अतिरिक्त कौशल और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए योग में अल्पावधि प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

*** (जल्द उपलब्ध कराया जाएगा।)**

छात्र संघ

प्रत्येक विद्यार्थी महाविद्यालय छात्र संघ का सदस्य होता है। छात्र संघ में भागीदारी एवं गतिविधि संगठनात्मक कौशल और लोकतांत्रिक नेतृत्व के प्रशिक्षण हेतु एक अवसर है। विश्वविद्यालय की अधिसूचना और महाविद्यालयों के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक वर्ष डूसू (DUSU) और महाविद्यालय के निम्नलिखित पदों के लिए चुनाव आयोजित किए जाते हैं :-

1. अध्यक्ष
2. उपाध्यक्ष
3. सचिव
4. संयुक्त सचिव
5. केन्द्रीय परामर्शदाता

'अंकुर' महाविद्यालय की पत्रिका

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अंकुर' न केवल साहित्यिक, कलात्मक और रचनात्मकता का प्रतीक है, अपितु यह महाविद्यालय में वर्ष भर होने वाली अनेकानेक शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों तथा उपलब्धियों का दस्तावेज है।

'अंकुर' पत्रिका का एक लम्बा इतिहास है। वर्ष दर वर्ष इस पत्रिका ने विषय वस्तु तथा कलात्मकता में सदैव उन्नति की है। 'अंकुर' संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में प्रत्येक वर्ष सम्मिलित रूप से प्रकाशित होती है। यह पत्रिका विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को उनकी लेखन कला और रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने का सुअवसर प्रदान करती है।

इस पत्रिका के जरिए विद्यार्थी अपने मौलिक लेखन कौशल, भाषा कौशल और संपादकीय कौशल को अत्यधिक विकसित करते हैं। इस पत्रिका के प्रकाशन में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है।

'अंकुर' महाविद्यालय की वेबसाइट पर डिजिटल रूप में भी उपलब्ध है।

सतर्क ः उपभोक्ता क्लब

'जागरूकता परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक है।' – *एखर्ट टॉले*

पीजीडीएवी का उपभोक्ता क्लब 'सतर्क' विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है। यह एक उपभोक्ता के रूप में विद्यार्थियों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक बनाकर शक्ति प्रदान करता है तथा उन्हें शोषण से बचाने का प्रयास करता है। 'सतर्क' के द्वारा विद्यार्थियों को सतत खपत और सतत उत्पादन के मूल्य को समझने योग्य बनाया जाता है।

इसके अंतर्गत सभी विद्यार्थी विभिन्न गतिविधियों और उपभोक्ता से संबंधित विषयों पर साझा सत्रों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करते हैं। विद्यार्थी इसमें प्रशिक्षु के तौर पर अन्तर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं, पैनल चर्चाओं और संगठनों में भाग लेते हैं और विभिन्न संगठनों के साथ इंटर्न भी करते हैं। इसके द्वारा वह शिकायतों के समाधान के साथ कचरे और ई-अपशिष्ट का निपटारण भी सीखते हैं।

सतर्क की उपस्थिति फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सतर्क अलर्ट और सतर्क स्टोरीज के माध्यम से जागरूक बनाना है। विद्यार्थी अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के साथ-साथ जागरूकता फैलाने के लिए नजदीकी स्कूलों, गैर सरकारी संगठनों और आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा करते हैं और इस तरह वह परिवर्तन के प्रणेता बनते हैं।

वर्ष 2011 में सतर्क उपभोक्ता फोरम, एक पंजीकृत गैर-लाभकारी संगठन और उपभोक्ता इंटरनेशनल, लंदन के सदस्य की पहल के माध्यम से शुरू हुआ।

'सर्तक' 2011 में उपभोक्ता फोरम की एक पहल के माध्यम से अस्तित्व में आया। यह भारत में एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में पंजीकृत है और कंज्यूमर इंटरनेशनल, लंदन का सदस्य है।

हमारे बारे में अधिक जानकारी और उपभोक्ताओं के अपडेट के लिए हमें फॉलो करें और हमारे साथ जुड़ें ः-

इंस्टाग्राम ः https://instagram.com/satarkpgdav?igshid=YmMyMTA2M2Y=

फेसबुक ः https://www.facebook.com/SATARKPGDAV/

लिंकेडीन ः https://www-linkedin-com/company/satark&the&consumer&club/

ब्लॉग ः https://satarkpgdav.blogspot.com/?m=1

अन्य किसी भी प्रकार के पूछताछ के लिए हमसे बेझिझक संपर्क करें ः E-mail : satark@pgdav-du-ac-in

एलुमनाई एसोसिएशन

महाविद्यालय में पूर्व विद्यार्थियों की एसोसिएशन गत वर्षों से अतिसक्रिय भूमिका निभा रही है और अनेक कार्यक्रम आयोजित करती है। यह जनवरी के तीसरे रविवार और अप्रैल के पहले रविवार को एक वार्षिक पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित करती है। एसोसिएशन के पूर्व विद्यार्थी अपनी पूर्व शैक्षणिक संस्था को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों और वर्तमान विद्यार्थियों के संपर्क में बने रहने में मदद करते हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रतिभाओं के विकास हेतु एसोसिएशन नवागंतुक स्वागत कार्यक्रम भी आयोजित करती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई को दिल्ली विश्वविद्यालय की सबसे सक्रिय एनएसएस इकाइयों में से एक होने का श्रेय प्राप्त है। समाज सेवा में हाथ बंटाने का उद्देश्य लिए एन.एस.एस. स्वयंसेवक अपनी प्रतिबद्धता और सेवा करने के जुनून के साथ अपने आसपास और समाज के वंचित लोगों के

जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। एन.एस.एस. कुछ शानदार सामाजिक परियोजनाएँ चलाने के अलावा वर्ष भर अनेक गतिविधियों को आयोजित करता है, जैसे - आपदा राहत, रक्तदान शिविर, स्वच्छता और सफाई अभियान इत्यादि। ये या तो स्वैच्छिक होती हैं या सरकारी निर्देशों के अनुसार आयोजित की जाती हैं। उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को विशेष योग्यता प्रमाण पत्र और पदक से सम्मानित किया जाता है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में एन.एस.एस. द्वारा वृक्षारोपण अभियान और सामुदायिक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त सेल ने विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस, विश्व स्तनपान दिवस, स्वच्छता पखवाड़ा और राष्ट्रीय पोषण सप्ताह भी मनाया जो इसकी साल भर की गतिविधियों की सूची में शामिल कुछ का नाम हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

महाविद्यालय में एन.सी.सी के अंतर्गत लड़के और लड़कियों दोनों की सेना शाखा है। महाविद्यालय की यह इकाई लेफ्टिनेंट सुश्री रेनु जोनवाल और डॉ. हरि प्रताप की निगरानी और सक्षम मार्गदर्शन में वर्ष भर सक्रिय प्रशिक्षण

प्रदान करती है। कैडेटों को सेना और अन्य विषयों जैसे ड्रिल, फर्स्ट एड, मैप रीडिंग, सिग्नल, सिविल डिफेंस, स्लिंगिंग, फायरिंग इत्यादि में प्रशिक्षण मिलता है। वे भारतीय सेना द्वारा संपूर्ण भारत में आयोजित एटीसी, सीएटीसी, टीएससी, पीआरडी, आरडी, एनआईसी शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। ड्रिल और पारस्परिक सांस्कृतिक विचार-विमर्श में साप्ताहिक प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा महाविद्यालय की इकाई वर्ष के अंत में अन्तर-महाविद्यालय एन.सी.सी. फेस्टिवल 'प्रबल' और एन.सी.सी. दिवस आयोजित करती है। सफल प्रशिक्षण और लिखित परीक्षा पूरी होने के पश्चात कैडेटों को 'बी' और 'सी' प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है जो उन्हें सेना में सीधे प्रवेश लेने में मदद करता है। वर्ष 2020-21 में एक एस.डी. कैडेट ने पैरा बेसिक में तथा तीन कैडेटों (एक एस.डब्ल्यू. और दो एस.डी.) ने शैक्षणिक गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया।

स्पिक मैके

महाविद्यालय में स्पिक मैके की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, जो युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित करता है। भारत के शास्त्रीय नृत्य, संगीत और विभिन्न कला रूपों की ओर युवाओं का ध्यान खींचने के अलावा इसके कार्यक्रम प्रसिद्ध कलाकारों

के साथ संवाद का अवसर भी प्रदान करते हैं। स्पिक मैके के अंतर्गत पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले निम्नलिखित प्रसिद्ध कलाकार हैं - पं. हरिप्रसाद चौरसिया, पं. राजन, पं. साजन मिश्रा, पं. विश्वमोहन भट्ट, पं. भजन सपोरी, विदुषी माधुरी मुद्गल, विदुषी शोवना नारायण इत्यादि।

एनैक्टस

एनैक्टस एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है, जो विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अपने समुदायों में परिवर्तन लाने तथा सामाजिक रूप से जिम्मेदार बनाने के लिए व्यावसायिकों एवं उच्च शिक्षा से जुड़े व्यक्तित्वों के साथ काम करता है। एनैक्टस का पी.जी.डी.ए.वी. चैप्टर प्रतिभागियों और उनके प्लेसमेंट के बीच सीखने का अवसर प्रदान करता है।

एनैक्टस-पी.जी.डी.ए.वी. अध्याय का गठन वर्ष 2015 में किया गया था। इसने वर्ष 2016 में प्रोजेक्ट 'कोराकागज' के नाम से अपनी पहली सामाजिक उद्यमिता परियोजना शुरू की। इस परियोजना का उद्देश्य हाशिए के समुदायों की महिलाओं को स्टेशनरी व्यवसाय में उद्यमी बनने हेतु प्रशिक्षण देकर उन्हें सशक्त बनाना है।

अपनी स्थापना के बाद से ही इसने लिंग आधारित हिंसा के शिकार 50 से अधिक लोगों को सफल उद्यमी बनाने के लिए प्रशिक्षित किया है। 500 किलोग्राम से अधिक कचरे का पुनर्नवीनीकरण किया है और 9 एस.डी.जी. को लक्षित किया है।

वर्ष 2018 में इसने अपना पहला उद्यमी 'रुकसार' का गठन किया, जो अब 'अभिलाषा बाय रुकसार' के नाम से जाना जाता है। वर्ष 2020 में यह एक नई लीग श्रेणी के अंतर्गत एनेक्टस नेशनल्स में एक विजेता के रूप में अपनी पहचान बनाया और प्रोजेक्ट 'निस्तारण' और 'सुगंध' नामक दो सामाजिक उद्यमिता परियोजनाओं को आरंभ किया। प्रोजेक्ट 'निस्तारण' शहरी ठोस कचरे से खाद के उत्पादन और विपणन में शामिल होकर कचरा बीनने वाले समुदाय को ऊपर उठाने की एक पहल है। यह लैंडफिल के लिए एक व्यवहार्य और लागत प्रभावी विकल्प देकर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में भी मदद करता है।

प्रोजेक्ट 'सुगंध' लोगों को दुर्भावनापूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने और हानिकारक रहित तथा पर्यावरण के अनुकूल अगरबत्ती प्रदान करके पर्यावरण का पोषण करने की एक पहल है, जो साधारण अगरबत्ती का एक विकल्प है। साधारण अगरबत्ती में लकड़ी के कोयले की मात्र अधिक होती है, जिसे जलाने पर हानिकारक गैसें निकलती हैं। इस परियोजना का उद्देश्य वंचित समुदायों को सशक्त बनाना भी है। वर्ष 2021 में भारत सरकार द्वारा आयोजित 'वेस्ट-टू-वेल्थ' फेलोशिप कार्यक्रम के तहत इसके तीन प्रोजेक्ट्स का चयन हुआ। इसके अतिरिक्त वर्ष 2021 में इसने प्रोजेक्ट 'होप' के नाम से एक मानसिक स्वास्थ्य पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी को उनके मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करना है। अब तक की सफल यात्रा से उत्साहित एवं प्रेरित होकर एनैक्टस-पीजीडीएवी की टीम अधिक प्रसन्नता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जियो-क्रूसेडर ः पर्यावरण सोसाइटी

जियो-क्रूसेडर का मिशन पर्यावरणीय गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करना और स्वस्थ वातावरण बनाना है। यह संस्था संजय वन और सुल्तान गढ़ी मकबरा (वसंत कुंज, नई दिल्ली) के पुनर्नवीनीकरण कार्य के साथ-साथ विभिन्न जागरूकता अभियान तथा फील्ड सर्वे जैसी गतिविधियों का भी आयोजन करता है। यह संस्था मुख्यधारा में जागरूकता अभियान चलाने के अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दिवस, अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस और वन्यजीव सप्ताह जैसे विभिन्न पर्यावरणीय दिवस भी मनाता है। विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने हेतु इस संस्था द्वारा निरंतर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों एवं वेबिनार का आयोजन किया जाता है।

ENACTUS PGDAV

DON'T FORGET TO
BRING YOUR OWN BAGS
Thank you
SAY NO! TO PLASTIC BAGS

Project
निस्तारण

Our Community

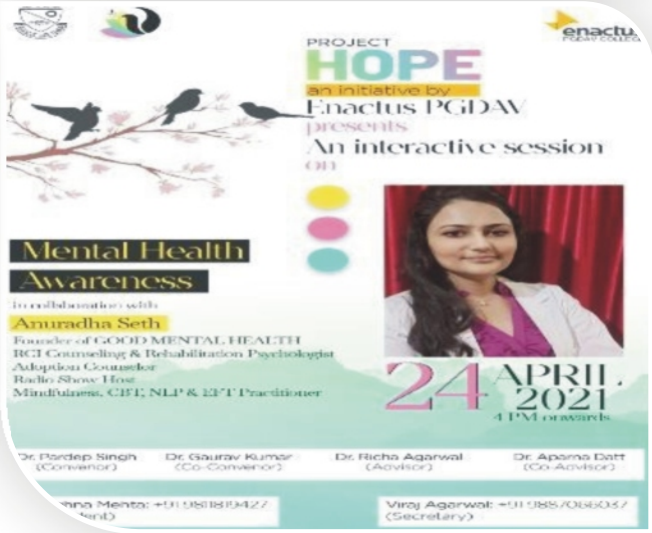
PROJECT
HOPE
an initiative by
Enactus PGDAV
presents
An interactive session
on
Mental Health
Awareness
In collaboration with
Anuradha Seth
Founder of GOOD MENTAL HEALTH
RCI Counseling & Rehabilitation Psychologist
Adoption Counselor
Radio Show Host
Mindfulness, CBT, NLP & EFT Practitioner
24 APRIL 2021
4 PM onwards
Dr. Pardep Singh (Convenor)
Dr. Gaurav Kumar (Co-Convenor)
Dr. Richa Agarwal (Advisor)
Dr. Aparna Datt (Co-Advisor)
Viraj Agarwal (Secretary)

आजादी का अमृत महोत्सव

भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' का शुभारंभ हुआ। इस पहल के अंतर्गत महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत जुलाई में 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका' विषय पर एक भाषण के साथ हुई और छात्रों ने पांच अलग-अलग भारतीय भाषाओं में देशभक्ति के गीत गाए। कॉलेज ने 'स्वतंत्रता सेनानी', 'आत्मनिर्भर भारत', 'युवा शक्ति' और 'महिला सशक्तिकरण' आदि विषयों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित किया। 'फ्रीडम रन', 'हिंदी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंटर-कॉलेज स्लोगन लेखन और इंटर-कॉलेज निबंध प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। एन.एस.एस. और कॉलेज की अन्य समितियों ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत

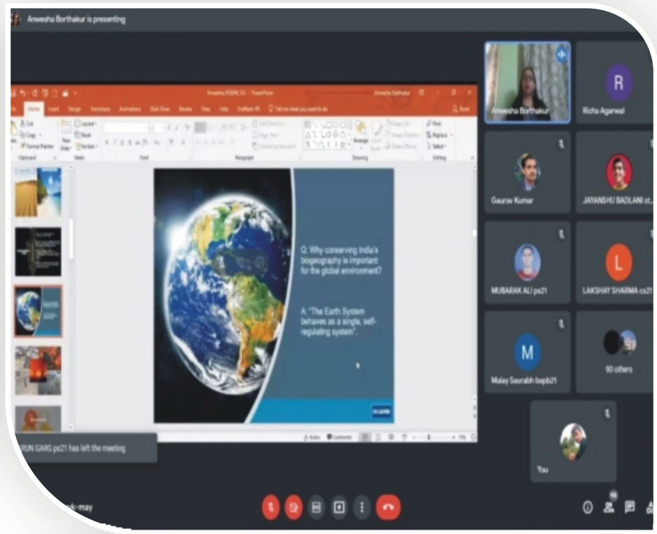

World Environment Day: DU's eco clubs to lead the way, one initiative at a time

We'll conduct a webinar to spread awareness among students, followed by a plantation drive.

We'll host an online workshop on how to make seed balls.

E-dustbins will be installed in the college premises. We will also begin inspecting the health of the trees on campus.

Participants will have to prepare one video that shows them cleaning their surroundings.

It's a green Sunday for students and citizen groups in the city

The group, There is no Earth B, is conducting a clean up drive on International Day for Biological Diversity

A Nature walk by WMTC

MH Vatavaran of Miranda House College maintains a herbal and medicinal garden to spread awareness about plant biodiversity

वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता प्रतिज्ञा, एकता दिवस पर स्वच्छता अभियान, 'देशभक्ति' और 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अंतर-कॉलेज स्व-रचित कविता प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अतिरिक्त कॉलेज ने सूर्यनमस्कार, राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, पीपीटी मेकिंग प्रतियोगिता और वसंतोत्सव भी आयोजित किया। शहीदी दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और गुरु रविदास जयंती पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'भारत की विरासत' विषय पर अंतर-महाविद्यालयी फोटोग्राफी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कॉलेज ने भारत सरकार द्वारा शुरू 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय ध्वज भी वितरित किया।

भारतीय संस्कृति सभा

भारतीय संस्कृति सभा आपने स्थापना वर्ष 1961 से अनवरत कार्य कर रही है । इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सनातन संस्कृति व राष्ट्रीयता की भावना से ओत-प्रोत मानवीय गुणों से पोषित, श्रद्धावान एवं विवेकवान व्यक्तित्व का निर्माण करना है। जिससे परिवार, समाज राष्ट्र एवं विश्व का कल्याण हो सके।

डिलीजेन्शिया

पीजीडीएवी कॉलेज द्वारा सितंबर, 2021 में एक प्रतिबद्ध छात्र और संकाय समूह के नेतृत्व में छात्रों के बीच नवाचार और उद्यमिता की भावना को जगाने की दृष्टि से डिलीजेन्शिया उद्यमिता सेल की स्थापना की गई थी। डिलीजेन्शिया हमारे प्रेरित, गतिशील और दृढ़निश्चयी होने के पक्ष में हैं।

कम से कम समय में भी डिलीजेन्शिया ने एक लंबा सफर तय किया है। इसने कई सफल कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जैसे स्टार्टअप से लेकर फंडिंग तक - शार्क टैंक इंडिया के प्रतियोगियों की मेजबानी करने वाला एक तीन दिवसीय कार्यक्रम - प्रोजेक्ट गुलाबो - आज के समय की एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक उद्यमिता परियोजना और ई-कौशल के साथ ई-सेल - एक सात दिवसीय उद्यमशीलता बूट शिविर इत्यादि का आयोजन।

पूरे वर्ष हमने अनेक ऐसे वेबिनार और इन-हाउस सत्रों का आयोजन किया जिससे कि छात्रों को ज्ञान, संसाधन और सहायता प्राप्त हो सके और उनके उद्यमिता की नींव को अधिक मजबूत किया जा सके। आगामी सत्रों में हम और बेहतर प्रयास करने की आशा करते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय
नेहरू नगर, नई दिल्ली
आज़ादी का अमृत महोत्सव
भारतीय संस्कृति सभा
द्वारा आयोजित व्याख्यान माला
विषय - भारतीय संस्कृति के आलोक में क्रांतिकारियों का साहित्य
दिनांक:- 13 अगस्त 2022
समय: प्रात: 11 बजे
स्थान:- पुराना संगोष्ठी कक्ष
निवेदक:- भारतीय संस्कृति सभा

भारतीय संस्कृति सभा
शहीद दिवस: सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु
विषय:- शहीदे आजम भगत सिंह: समकालीनों की नजर में
मुख्य वक्ता:- डॉ चन्द्रपाल सिंह
P.G.D.A.V. COLLEGE
NEHRU NAGAR
NEW DELHI
UNIVERSITY OF DELHI

सामान्य निर्देश

1. **उपस्थिति :**
   - व्याख्यान, ट्यूटोरियल आदि की दृष्टि से विश्वविद्यालय के नियमों के तहत प्रत्येक विद्यार्थी के लिए न्यूनतम उपस्थिति प्राप्त करना अनिवार्य है।
   - विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार एन.सी.सी., एन.एस.एस., ई.सी.ए., खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम और पाठ्येतर निकायों के विद्यार्थियों को विशेष रियायतें दी जाती हैं।
   - विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वह अपने शिक्षकों से और महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपनी उपस्थिति रिकॉर्ड की जांच करें।
   - चिकित्सा अवकाश का लाभ महाविद्यालय में पुनः उपस्थित होने के 7 दिनों के भीतर आवश्यक चिकित्सा और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जमा करने पर ही दिया जाएगा।
2. **आंतरिक मूल्यांकन :** सावधिक परीक्षा और असाइनमेंट अनिवार्य हैं, क्योंकि वे विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित आंतरिक मूल्यांकन स्कोर का हिस्सा हैं। आंतरिक मूल्यांकन का वर्गीकरण निम्नांकित है :-
   - लिखित असाइनमेंट/ट्यूटोरियल/परियोजना रिपोर्ट/टेस्ट पेपर/सेमिनार - 10 प्रतिशत
   - कक्षा परीक्षा/प्रश्नोत्तरी - 10 प्रतिशत
   - उपस्थिति (विवरण के लिए विश्वविद्यालय के नियम देखें) - 5 प्रतिशत
3. **अतिरिक्त समय :** विद्यार्थियों द्वारा इसे पुस्तकालय व वाचनालय अध्ययन के लिए बिताया जाना अपेक्षित है।
4. **सफाई :** महाविद्यालय परिसर में सफाई और स्वस्थ वातावरण का ख्याल रखें।
5. **पहचान पत्र :** महाविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को हमेशा अपना पहचान-पत्र लाना होगा। पहचान पत्र दिखाए बिना, महाविद्यालय ऑफिस से कोई सहायता नहीं दी जाएगी। इसके अलावा विद्यार्थी को महाविद्यालय के कर्मचारियों के किसी भी सदस्य द्वारा अपना पहचान पत्र दिखाने के लिए कहा जा सकता है। इस नियम के उल्लंघनकर्ताओं के साथ नियमों के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा।
6. महाविद्यालय परिसर में बाहरी व्यक्ति के लिए प्रवेश सख्त वर्जित है। महाविद्यालय परिसर में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति के पकड़े जाने पर उससे सख्ती से निपटा जायेगा एवं उसे पुलिस को सौंप दिया जायेगा।
7. सूचनाओं के लिए विद्यार्थियों को नियमित रूप से नोटिस बोर्ड और महाविद्यालय वेबसाइट देखने की आदत बनानी चाहिए।
8. महाविद्यालय परिसर के भीतर विद्यार्थियों द्वारा धूम्रपान एवं नशीले पदार्थों का सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित है और यह एक दंडनीय अपराध है। दिल्ली विश्वविद्यालय तंबाकू मुक्त पर्यावरण को बढ़ावा देने हेतु दिल्ली पुलिस और 'वर्ल्ड लंग फाउंडेशन - साउथ एशिया' के साथ साझेदारी कर रहा है। इस दिशा में पहल करते हुए महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान प्रतिबंधित है।
9. कार्यालय से जुड़ी किसी भी वांछित जानकारी हेतु काउंटरों पर जाएँ।
10. विद्यार्थियों से आशा की जाती है कि वह गलियारे/लॉबी में निरुद्देश्य न घूमें/शोर न करें। अनुशासन भंग करने वाले विद्यार्थियों को दंडित किया जाएगा।
11. **स्टाफ रूम :** स्टाफ रूम सिर्फ प्राध्यापकों के उपयोग के लिए है। विद्यार्थियों का बिना अनुमति स्टाफ रूम में प्रवेश वर्जित है।
12. विद्यार्थी अपनी शिकायतों के निवारण के लिए प्राचार्य से कार्य दिवसों में सुबह 11 बजे से 12 बजे के बीच मिल सकते हैं।

13. कक्षा में प्रवेश करने से पहले विद्यार्थियों को अपना मोबाइल फोन बंद करना होगा। मोबाइल सक्रिय पाये जाने पर 500 रूपये का जुर्माना किया जाएगा। विद्यार्थियों को कक्षा के कमरे, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं में बातचीत / एस.एम.एस. / एम.एम.एस. या किसी अन्य प्रकार के मनोरंजन के लिए मोबाइल का उपयोग करने पर दंडित किया जाएगा।
14. केवल द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी ही महाविद्यालय के विद्यार्थी संघ पदाधिकारियों के पदों के लिए चुनाव लड़ सकते हैं, बशर्ते उन्होंने पिछले वर्ष विश्वविद्यालय की परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण किए हों। उनकी उपस्थिति 75 प्रतिशत अथवा इससे अधिक अनिवार्य है।
15. महाविद्यालय में सुचना का अधिकार और आंतरिक शिकायत समिति (आई.सी.सी.) का अनिवार्य प्रावधान है।
16. महाविद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किसी भी समारोह में किसी सेलिब्रिटी स्टेज कलाकार (स्टार नाइट) द्वारा लाइव गायन-प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसका आग्रह करने पर उचित कार्यवाही की जा सकती है।

एंटी-रैगिंग नियम

1. महाविद्यालय परिसर में किसी भी रूप में रैगिंग प्रतिबंधित है।
2. किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा रैगिंग संबंधित गतिविधि को अनुशासन का उल्लंघन माना जाएगा और इसे दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-C के तहत निपटाया जाएगा।
3. रैगिंग से तात्पर्य आमतौर पर ऐसे वैयक्तिक या सामूहिक कृत्य या गतिविधि, आचरण या प्रयास से है, जिसके अंतर्गत वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा बल/शक्ति प्रयोग के माध्यम से विद्यार्थियों अथवा ऐसे विद्यार्थियों जिन्हें किसी भी तरह से कनिष्ठ या अन्य विद्यार्थियों द्वारा किसी भी दृष्टि से हीन माना जाता है, जैसे;
   (अ) शारीरिक हमला या धमकी/या शारीरिक बल का प्रयोग।
   (आ) विद्यार्थियों की गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।

अनुशासन का अनुपालन

विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय में अनुशासन का पालन अनिवार्य है। विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-B के अनुसार, निम्नलिखित को अनुशासन का उल्लंघन माना जाएगा :-

- संस्था/विभाग के किसी भी शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ उत्पीड़न या धमकी देने के उद्देश्य से शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी देना।
- हथियार रखना, हथियार का उपयोग या उसके इस्तेमाल की धमकी देना।
- नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन।
- अनुसूचित जाति और जनजातियों के विद्यार्थियों की गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।
- मौखिक या अन्य प्रकार से महिलाओं के लिए अपमानजनक कृत्य।
- किसी भी तरह से रिश्वत या भ्रष्टाचार का कोई प्रयास।
- किसी प्रकार से संस्था की संपत्ति का नुकसान/विनाश।
- धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर दुष्प्रचार या नफरत का प्रसार।
- विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों में किसी भी तरीके से व्यवधान डालना।

महाविद्यालय परिसर सी.सी.टी.वी. कैमरा नेटवर्क से युक्त है।

प्रशासनिक और सहायक स्टाफ

कार्यालय के कर्मचारी

1. श्री विक्की (अनुभाग अधिकारी)
2. श्री रमेश चंद्र
3. सुश्री सोनिया नायर
4. सुश्री अनुराधा
5. सुश्री रोमिला शर्मा
6. सुश्री कविता भाटिया
7. श्री भवानी राम
8. श्री नरेंद्र कुमार
9. श्री धीरेंद्र सिंह भाटी
10. सुश्री अनीता मौर्य
11. श्री रितेश कुमार
12. श्री मनोज गुप्ता
13. श्री प्रमोद कुमार
14. सुश्री आशा
15. श्री नरेश राणा
16. श्री राम प्रसाद
17. श्री राजेश कुमार
18. श्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी
19. श्री गिरीश राम
20. श्री मनोज कुमार मौर्य
21. श्री शिव कुमार मौर्य
22. श्री रेशम बहादुर
23. श्री राकेश कपूर
24. श्री आशीष कुमार
25. श्री पुनीत गुप्ता
26. श्री संदीप सिंह गुसैन
27. श्री रवि कुमार
28. श्री रघुवीर कुमार
29. श्री मनीष राणा
30. श्री तारा राम

चिकित्सा कर्मचारी

1. डॉ. नीना पॉल (डॉक्टर)
2. सुश्री मंजू यादव (नर्स)

कंप्यूटर विज्ञान प्रयोगशाला

1. श्री राजेश खन्ना
2. सुश्री दिव्या भारती
3. श्री नीतीश कुमार
4. श्री अभिषेक तिवारी
5. श्री कपिल

सांख्यिकी प्रयोगशाला

1. श्री देवेंद्र कुमार

पुस्तकालय कर्मचारी

1. सुश्री विनीता
2. श्री महेंद्र कुमार जांगिड़
3. श्री विजेंदर शर्मा
4. श्री मनोज कुमार

5. श्री सौरव शाक्य
6. श्री इमरान खान
7. श्री नगेंद्र लाल
8. श्री शकील अहमद
9. सुश्री नीतू
10. श्री संजीव
11. श्री नवीन कुमार आर्य

सुरक्षा गॉर्ड

1. श्री सलीक राम जोशी
2. श्री मातादीन यादव
3. श्री अमृत लाल
4. श्री राम निवास
5. श्री ओम प्रकाश
6. श्री चंद्र पाल
7. श्री परमेश्वर
8. सुश्री पूजा
9. प्रियंका

एमटीएस (फराश और माली)

1. श्री शम्भु सरन
2. श्री शिव सरन मौर्य
3. श्रीमती कुसुम देवी
4. श्री सोनू

एमटीएस (सफाई कर्मचारी)

1. श्री शंकर लाल
2. श्री किरपाल

आर.ओ. ऑपरेटर

1. श्री मंगला प्रताप वर्मा

खेल/ग्राउंड स्टाफ

1. श्री गुलाब
2. श्री सुंदर लाल
3. श्री दल बहादुर

रूट मैप (पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰ महाविद्यालय)

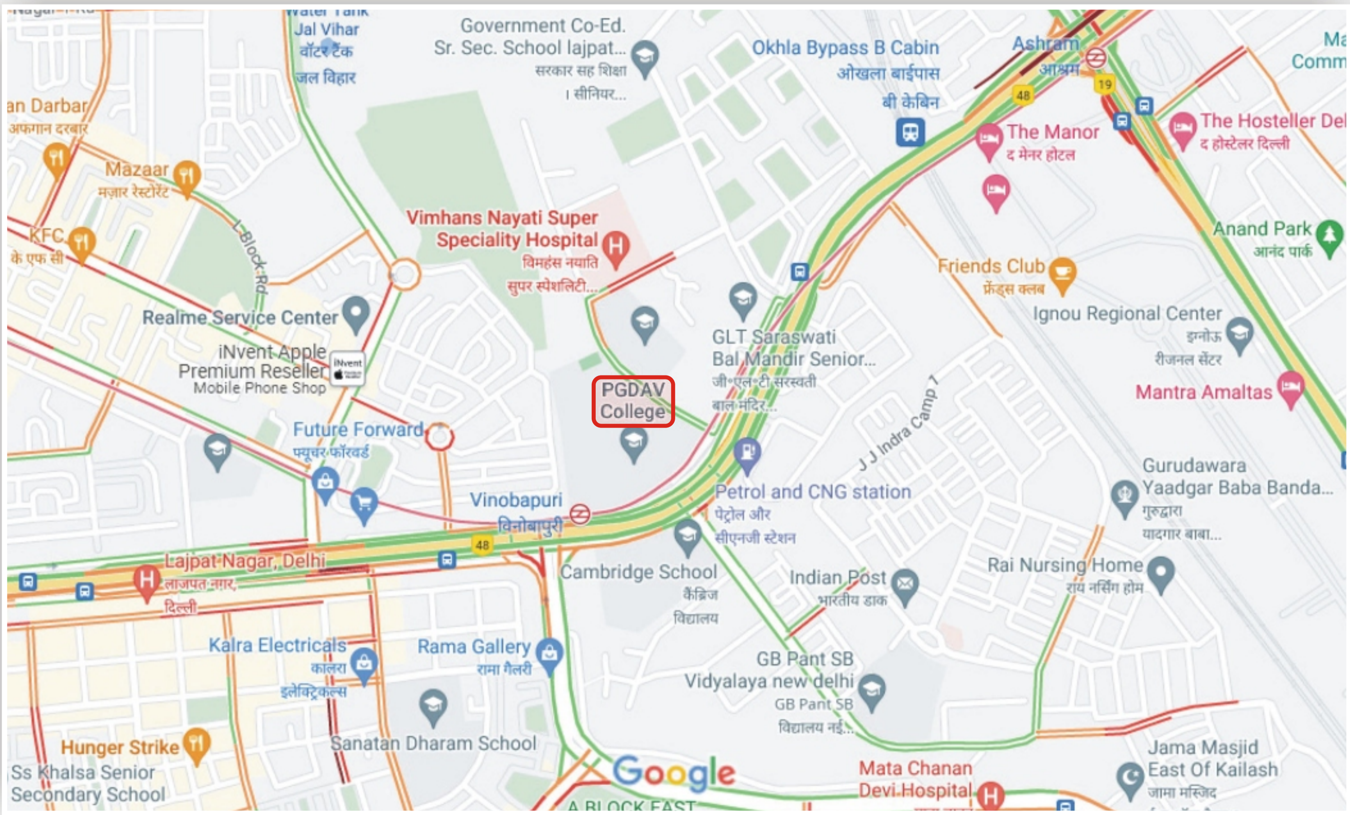

पी॰जी॰डी॰ए॰वी॰ महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

नेहरू नगर, नई दिल्ली–110065

वेबसाईट ः www.pgdavcollege.in

ई–मेल ः pgdavcollege.edu@gmail.com